सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
"इंसान अपने अपराधों से उतना नहीं डरता, जितना उनके के उजागर होने से डरता है"...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-73 ● संपादक आलोक तिवारी ● दुर्ग, शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 ● पृष्ठ 08 ● मूल्य -2 रुपए,

वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड विक्रय और उत्पादन के साथ सेल का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में विक्रय और उत्पादन दोनों में नए मानक स्थापित करते हुए, अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। अपनी ब्रांड उपस्थिति और ग्राहकों तक पहुंच को मजबूत करते हुए, कंपनी ने 20.14 मिलियन टन की अब तब की सर्वाधिक विक्रय दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष के 18.07 मिलियन टन की तुलना में 11.5% की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि व्यापक रही और सभी उत्पाद श्रेणियों में बिक्री में उछाल देखा गया।

उत्पादन के मोर्चे पर, सेल ने 19.43 मिलियन टन का अपना सर्वश्रेष्ठ कच्चा इस्पात उत्पादन और 19.176 मिलियन टन का विक्रेय इस्पात उत्पादन दर्ज किया, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। परिचालन उत्कृष्टता को बेहतर दक्षता मापदंडों के माध्यम से और प्रदर्शित किया गया, जो टिकाऊ और प्रतिस्पर्धी इस्पात उत्पादन की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है।

भारतीय रेलवे को 1.25 मिलियन टन की रिकॉर्ड सप्लाई देना और अपनी यूनिवर्सल रेल मिल से अब तक का सबसे ज्यादा उत्पादन करना, सेल की कार्यकुशलता और भारत के रेल नेटवर्क को बढ़ाने में उसके रणनीतिक योगदान को दिखाता है। यही नहीं, कंपनी के निर्यात (एक्सपोर्ट) में भी 162% की भारी बढ़त देखी गई है, जो 2.9 लाख टन तक पहुँच गया है। सेल ने अब भूटान समेत नए विदेशी बाजारों में भी अपना विस्तार किया है। ये उपलब्धियां सेल की लगातार वैल्यू बढ़ाने की क्षमता को सुदृढ़ करने, सेल की ब्रांड पोजीशनिंग को मजबूत करने और विविध बाजारों में ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने की क्षमता को साबित करती हैं।

संयंत्र के एसएमएस-3 ने रचा नया कीर्तिमान, मार्च 2026 में 22,000 टन से अधिक ईडब्लूएनआर ग्रेड स्टील का उत्पादन

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-3 ने मार्च 2026 में ईडब्लूएनआर ग्रेड स्टील के उत्पादन में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विभाग ने पूर्व के 6,730 टन (अप्रैल 2025) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 22,000 टन से अधिक उत्पादन दर्ज किया।

उल्लेखनीय है कि किसी एक माह में इस ग्रेड का यह अब तक का सर्वाधिक उत्पादन है, जो विभाग की उत्कृष्ट कार्यक्षमता, तकनीकी दक्षता एवं सुदृढ़ समन्वय का परिचायक है। इस उपलब्धि के फलस्वरूप सेल को अन्य ग्रेड की तुलना में प्रति टन अधिक नेट सेल्स रियलाइजेशन प्राप्त हो रहा है, जिससे संगठन की आर्थिक सुदृढ़ता को महत्वपूर्ण बल मिला है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मुख्य महाप्रबंधक (इस्पात गलन शाला-3) त्रिभुवन बैठा ने विभाग के सभी अधिकारियों एवं कमर्चारियों को हार्दिक बधाई दी तथा उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

इस सफलता के पीछे री-लैडलिंग यूनिट, डी-सल्फराइजेशन यूनिट, कन्वर्टर शॉप, लैडल-बे, सेकेंडरी रिफाइनिंग यूनिट, क्रेन्स, कास्टर, डिस्पैच एवं आरसीएल विभाग का समन्वित, सुनियोजित एवं समर्पित प्रयास रहा है, जिसने इस उपलब्धि को संभव बनाया।

त्वरित टिप्पणी

आप में दरार या विद्रोह की आहट? राघव प्रकरण से गरमाई राजनीति

आलोक तिवारी

भारतीय राजनीति में एक पुराना सिद्धांत है—नेता का कद जितना तेजी से बढ़ता है, उतनी ही तेजी से उसके आसपास की जमीन खिसकने लगती है। इन दिनों राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी के बीच उपजा टकराव इसी सिद्धांत की ताजा मिसाल बनकर सामने आया है। राज्यसभा में डिप्टी लीडर जैसे अहम पद से हटाया जाना एक राजनीतिक निर्णय हो सकता है, लेकिन उससे भी बड़ा सवाल यह है कि पार्टी द्वारा अपने ही सांसद को सदन में बोलने से रोकने की कथित कोशिश क्यों? क्या यह अनुशासन है, या फिर उभरते कद से उपजी असहजता? कभी अरविंद केजरीवाल के सबसे भरोसेमंद सिपहसालारों में गिने जाने वाले राघव चड्ढा आज उसी सियासी घर में अलग-थलग क्यों दिखाई दे रहे हैं? यह सवाल सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि उस राजनीति का है जो बदलाव के नाम पर सत्ता तक पहुंची थी।

लोकप्रियता बनाम पार्टी लाइन : राघव चड्ढा ने हाल के महीनों में जिन मुद्दों को उठाया—महंगे एयरपोर्ट दाम, गिग वर्कर्स की परेशानी, टोल वसूली, टेलीकॉम कंपनियों की मनमानी—वे सीधे आम जनता से जुड़े सवाल थे। यही मुद्दे उनकी पहचान बने, लेकिन शायद यही उनकी राजनीतिक गलती भी साबित हुए। सवाल यह है कि क्या आज की राजनीति में जनहित के मुद्दे उठाना भी पार्टी लाइन के खिलाफ माना जाने लगा है? अगर हां, तो यह लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है।

खामोशी या रणनीति ? : पार्टी का आरोप है कि राघव चड्ढा ने कई अहम मौकों पर चुप्पी साधी—चाहे वह पार्टी संकट का दौर हो या विपक्ष की एकजुटता का प्रदर्शन। लेकिन राजनीति में खामोशी हमेशा कमजोरी नहीं होती, कई बार यह एक सुनियोजित रणनीति भी होती है। राघव का बयान—मैं वो दरिया हूँ जो वक्त आने पर सैलाब बनता है—सिर्फ एक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि आने वाले समय की चेतावनी भी है।

अंदरूनी कलह या नेतृत्व की चिंता : आम आदमी पार्टी में यह पहला विवाद नहीं है। पहले भी कई बड़े नामों के साथ मतभेद सामने आते रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार मामला एक ऐसे चेहरे से जुड़ा है, जिसे कभी पार्टी का भविष्य माना जाता था। क्या यह नेतृत्व की पकड़ मजबूत करने की कोशिश है, या फिर पार्टी के भीतर असहमति को दबाने की रणनीति?

आगे की राह: सियासी सस्पेंस - राघव चड्ढा के पास अभी राज्यसभा का कार्यकाल बचा है, लेकिन सियासत में वक्त का पहिया कब करवट बदल ले, कोई नहीं जानता। क्या वे पार्टी के भीतर रहकर अपनी लड़ाई लड़ेंगे, या फिर कोई नया सियासी रास्ता चुनेंगे—यह आने वाला समय तय करेगा।

सवाल लोकतंत्र का है : यह पूरा घटनाक्रम सिर्फ एक नेता और एक पार्टी का विवाद नहीं है। यह उस राजनीतिक संस्कृति का आईना है, जहां काबिलियत और लोकप्रियता भी कई बार असुविधा बन जाती है। अगर लोकतंत्र में अपनी ही पार्टी के भीतर सवाल उठाने की गुंजाइश खत्म हो जाए, तो फिर जनता की आवाज कौन उठाएगा? सियासत में उठता हर सैलाब सिर्फ किनारों को नहीं बदलता, कई बार पूरी धारा की दिशा ही मोड़ देता है। अब देखना यह है कि यह सैलाब किसे डुबोता है और किसे नई जमीन देता है।

कैंसर हॉस्पिटल प्रोजेक्ट के नाम पर 3 करोड़ की ठगी : स्कॉटलैंड से 103 करोड़ भेजने का झांसा

बिलासपुर में हाईप्रोफाइल सायबर ठगी का मामला आया सामने

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हाई-प्रोफाइल ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां कैंसर हॉस्पिटल खोलने के नाम पर विदेशी निवेश का झांसा देकर एक वकील से 3 करोड़ रुपये ठग लिए गए। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है, जहां पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

103 करोड़ के विदेशी फंड का झांसा

ठगों ने पीड़ित वकील को विश्वास दिलाया कि वे स्कॉटलैंड के निवेशकों से जुड़े हैं और बिलासपुर में कैंसर हॉस्पिटल स्थापित करने के लिए 103 करोड़ रुपये का निवेश आने वाला है। भरोसा जीतने के लिए डिमांड ड्राफ्ट और बैंकिंग से जुड़े फर्जी दस्तावेज भी दिखाए गए।

फर्जी दस्तावेजों का जाल, धीरे-धीरे ऐंठे करोड़ों

ठगों ने डिजिटल ट्रांजैक्शन रिपोर्ट, कन्फर्मेशन लेटर और अन्य बैंकिंग दस्तावेज इस तरह तैयार

किए कि वे पूरी तरह असली लगें। फंड ट्रांसफर में तकनीकी दिक्कत का बहाना बनाकर पीड़ित से अलग-अलग किस्तों में रकम मांगी जाती रही। इस तरह झांसे में आकर वकील ने करीब 3 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए।

साइबर एंगल से जांच तेज

मामले में एएसपी पंकज पटेल ने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की साइबर टीम बैंक ट्रांजैक्शन, डिजिटल दस्तावेजों और कॉल डिटेल्स की गहन जांच कर रही है। आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है।

बढ़ते साइबर फ्रॉड का नया तरीका

यह मामला बताता है कि ठग अब बड़े प्रोजेक्ट, विदेशी निवेश और कॉरपोरेट डील के नाम पर भी लोगों को निशाना बना रहे हैं। फर्जी दस्तावेज और प्रोफेशनल प्रेजेंटेशन के जरिए भरोसा जीतना इनका नया हथियार बन गया है।

पुलिस की अपील

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी बड़े निवेश प्रस्ताव, खासकर विदेशी फंडिंग से जुड़े मामलों में बिना सत्यापन के पैसा न लगाएं। बैंकिंग दस्तावेजों और ऑफर्स की जांच आधिकारिक माध्यम से जरूर करें। यह मामला न केवल आर्थिक अपराध का उदाहरण है, बल्कि यह भी दिखाता है कि सतर्कता ही ऐसे ठगी गिरोहों से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है।

केके सिंह ने सेल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाला

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

सेल के निदेशक (कार्मिक) कृष्ण कुमार सिंह ने 02 अप्रैल, 2026 को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया है।

श्री सिंह प्रचालन, मानव संसाधन विकास, सतर्कता और कार्मिक एवं प्रशासन जैसे विविध क्षेत्रों में लगभग चार दशकों के गहन अनुभव के साथ सेल की विकास गाथा में एक महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1987 में भिलाई इस्पात संयंत्र में एक प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में की थी, जहाँ उन्होंने मानव संसाधन विकास विभाग में जाने से पहले 'ब्लूमिंग एंड बिलेट मिल' में एक दशक से अधिक समय तक अपना योगदान दिया। उन्होंने कार्मिक और प्रशासन विभाग के कायर्कारी निदेशक (प्रभारी) सहित कई लीडरशिप पदों पर कार्य किया है। उन्हें 2022 में निदेशक (कार्मिक) नियुक्त किया गया, जो उनके गहरे डोमेन ज्ञान और मजबूत नेतृत्व कौशल को दर्शाता है।

निदेशक (कार्मिक) के रूप में अपने वर्तमान रोल में, श्री सिंह ने सेल के मानव संसाधन के कायाकल्प का नेतृत्व किया है। उन्होंने कार्यबल को भविष्य के लिए तैयार करने हेतु प्रोग्रेसिव कार्मिक कल्याण और विकास योजनाओं की शुरुआत की है। उनका नेतृत्व सेल की 'जन-केंद्रित' प्रगति को मजबूत कर रहा है और अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में वे संगठन को निरंतर उत्कृष्टता और नवाचार की ओर अग्रसर कर रहे हैं।

वाहन ठगी मामले में पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई एसपी विजय अग्रवाल से मिलकर जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

थाना मोहन नगर क्षेत्र में वाहन किराये के नाम पर ठगी के मामले में दुर्ग पुलिस की त्वरित कार्रवाई से पीड़ितों को बड़ी राहत मिली है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश सचिव अय्यूब खान एवं वाहन मालिकों ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर इस सराहनीय कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया।

शिकायत के बाद हरकत में आई पुलिस

अय्यूब खान ने बताया कि 27 मार्च को लिखित आवेदन देकर शिकायत की गई थी कि कुछ लोग ऑफिस खोलकर वाहन मालिकों से कार किराये पर लेकर उन्हें अन्य स्थानों पर गिरवी रख दे रहे हैं। लंबे समय तक वाहन वापस नहीं किए जा रहे थे और न ही किराया दिया जा रहा था। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह मामला पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखा गया।

पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देश पर जिला क्राइम ब्रांच, नगर पुलिस अधीक्षक एवं थाना मोहन नगर की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए महज 48 घंटे के भीतर ठगी का खुलासा कर दिया। जांच में सामने आया कि आरोपी माँ लक्ष्मी टूर एंड ट्रेवल्स के नाम से वाहन किराये पर लेते थे, लेकिन न तो किराया देते थे और न ही वाहन लौटाते थे। उल्टा, वाहनों को अन्य व्यक्तियों के पास गिरवी रख दिया जाता था।

पुलिस ने इस मामले में अमित कुमार सिंह (28 वर्ष), निवासी चारभाटा, जिला राजनांदगांव व वरुण सलामे (25 वर्ष), निवासी डोंगरगढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे एवं उनके द्वारा गिरवी रखे गए स्थानों से 09 चार पहिया वाहन और 01 मोटरसाइकिल कुल 10 वाहन बरामद किए गए। स्कार्पियो, अटिर्गा, थार, स्विफ्ट, टाटा पंच, वरना, बलेनो सहित अन्य वाहन विभिन्न स्थानों से वापस लाए गए। पुलिस जांच में स्पष्ट हुआ कि आरोपी आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से योजनाबद्ध तरीके से वाहन लेकर भुगतान नहीं करते थे और उन्हें गिरवी रखकर रकम हासिल करते थे।

एसपी से मिलकर जताया आभार कार्रवाई के बाद अय्यूब खान, अधिवक्ता वर्षा देवांगन, देवेंद्र देवांगन, किसान लाल साहू, सुमेर सिंह पाल, अजय वारी, राहुल निषाद, अफरान खान सहित अन्य वाहन मालिकों ने पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल से मुलाकात कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वाहन किराये पर देने से पहले संबंधित व्यक्ति या संस्था का सत्यापन अवश्य करें और बिना वैधानिक दस्तावेज के वाहन न दें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

वक्फ बोर्ड ने काजी आरिफ अजहरी को किया बर्खास्त, शुरू हुई जांच

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक बड़ी और संवेदनशील खबर सामने आई है। वक़्फ बोर्ड ने कड़ा रुख अपनाते हुए शहर क़ाजी आरिफ अजहरी, जिन्हें फारूक़ी के नाम से भी जाना जाता है, को उनके पद से बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई एक महिला की गंभीर शिकायत के बाद की गई है। महिला ने आरोप लगाया है कि शहर क़ाजी ने उसे देर रात फोन कर परेशान किया और अनुचित व्यवहार किया। मामला सामने आते ही छत्तीसगढ़ वक़्फ बोर्ड ने इसे गंभीरता से लिया और तत्काल जांच शुरू कर दी।

शिकायत के बाद कई मुतवल्लियों और इमामों ने भी शहर क़ाजी को हटाने की मांग उठाई, जिससे मामले ने और तूल पकड़ लिया। वक़्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपों की गंभीरता को देखते हुए आरिफ अजहरी को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह निर्णय प्रारंभिक जांच के आधार पर लिया गया है और मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है। फिलहाल बर्खास्त शहर क़ाजी आरिफ अजहरी की ओर से इस पूरे मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब इस पूरे घटनाक्रम पर सभी की नजरें जांच के नतीजों पर टिकी हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है और आगे क्या कार्रवाई की जाएगी।

युवा बनें शक्तिशाली और संस्कारी : हनुमान दंड अपनाएं, जीवन में शक्ति और संतुलन लाएं

हनुमान जयंती पर हनुमान दंड बैठक का अभ्यास, हनुमान के आदर्शों को अपनाकर युवा बनें बलवान, चरित्रवान और राष्ट्रनिर्माता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर आर्य समाज द्वारा एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से हनुमान दंड-बैठक का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर आचार्य डॉ. अजय आर्य एवं अंकित शास्त्री ने हनुमान दंड का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए इसके महत्व और लाभों पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अपने उद्बोधन में आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि आज के युवाओं को केवल शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनने की आवश्यकता है। इसके लिए हनुमान जी के आदर्शों बल, बुद्धि, भक्ति और समर्पण—को जीवन में अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने हनुमान दंड के अभ्यास को एक संपूर्ण व्यायाम बताते हुए कहा कि यह कमर दर्द में राहत देने के साथ-साथ पूरे शरीर को सुडौल और सशक्त बनाता है।

हनुमान दंड के नियमित अभ्यास से पैरों और जांघों को मजबूती मिलती है, हड्डियां मजबूत एवं निरोगी रहती हैं तथा शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यायाम वजन को नियंत्रित रखने में सहायक है और शरीर को सुंदर व संतुलित बनाता है। साथ ही सीना चौड़ा होता है, भुजाएं मजबूत होती हैं और शरीर का संतुलन बेहतर होता है। शरीर की आवश्यकता के अनुसार वजन का संतुलित विकास भी इसमें सहायक होता है।

अंकित शास्त्री ने बताया कि यह अभ्यास स्त्री और पुरुष दोनों के लिए समान रूप से लाभकारी है और इसे हर आयु वर्ग के लोग अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे नियमित रूप से इस पारंपरिक व्यायाम को अपनाएं और स्वस्थ जीवन की दिशा में आगे बढ़ें।

कार्यक्रम में गुरुकुल कोसरंगी के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर उत्साहपूर्वक हनुमान दंड-बैठक का अभ्यास किया। पूरे आयोजन में अनुशासन, ऊर्जा और सकारात्मकता का वातावरण देखने को मिला। अंत में सभी प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे नियमित व्यायाम करेंगे और हनुमान जी के आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर स्वयं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाएंगे।

यह आयोजन युवाओं को स्वस्थ, अनुशासित और संस्कारित बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुआ। भेषण लाल, चन्दन साहूई, शुभम यादव, सुगल किशोर सिन्हा, पुष्कर यादव, दक्षबन गोस्वामी, छत्रपति दावान, डिगेश्वर देवांगन, हितेय विमार, हर्ष साइ, जिवेन्द्र साहू, खिलेन्द्र वर्मा, मोहन निर्मलकर, पारसमणी दीवान, शिवा मिरी, राहुल दीवान, सुधीर निबाद, सूर्या सिन्हा, हबार चौहान, विद्यासागर निषाद, मुकेश पटेल, समर चंद्रवंशी, निलेश यादव, पुण्डर पटेल, हिमांशु चंद्राकर, मोहित साइ, प्रकाश साहू, पुष्कर साहू, प्रियांशु चंद्रवंशी, स्टु कुमार, रुखमण निषाद, त्रिदेव यादव, सुवराज साई, योगेश भोई, मशवंत प्रधान, मावस्कर पटेल, टुकेश्वर दीवान, कोहिनुर दीवान, वथील दीवान, धर्मेश दास, हेमंत राजश्त, सूरज साई, विवेक निर्मलकर, एकांश सेठ, सुवराज साहू, हिमेश चंद्रवंशी, राव कुमार मिवाद, डुमेश ठाकर, समीर पटेल, समीर साहू, भावेश, टिकेश निषाद, संदीप, पंकज, कृष्णा, खिलेश्वर, लवकुश, रोहित, कामेश्वर आदि ने हनुमान दंड में भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि आयर्वीर दल के नेतृत्व में कृष्णमूर्ति एवं साक्षी कुमारी द्वारा आर्य नगर में निशुल्क व्यायाम तथा अन्य सांस्कृतिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

खास खबर

राहगीरों के लिए चलित प्याऊ घर का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

राहगीरों के लिए चलित प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया है, विधायक रिकेश सेन ने बताया, हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर धर्मपत्नी डॉ. रिचा सेन द्वारा चलित प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य गर्मी के मौसम में आम नागरिकों, विशेषकर राहगीरों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। यह प्रयास जनसेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथा समाज में सहयोग और जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करता है। ऐसे कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों तक आवश्यक सुविधाएं पहुंचाने का सतत प्रयास जारी रहेगा। क्षेत्र की जनता को इस भीषण गर्मी में चलित प्याऊ घर के माध्यम से सहयोग प्रदान करने हेतु भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य, व्यापारी प्रकोष्ठ के अंकित जैन का जताया आभार।

आपत्ति-दावा के बाद अंतिम पात्र/अपात्र सूची का प्रकाशन

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान-मोर आस के तहत आपत्ति एवं दावा प्रक्रिया के सफल संपादन पश्चात अंतिम पात्र/अपात्र हितग्राहियों की सूची प्रकाशित कर दी गई है। उक्त अंतिम सूची को निगम की आधिकारिक वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in पर देखा जा सकता है। इसके साथ ही यह सूची नगर निगम के मुख्य कार्यालय तथा डाटा सेंटर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा में भी आम नागरिकों के अवलोकन हेतु चस्पा की गई है।

निगम प्रशासन द्वारा पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न किया गया है, जिससे पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ सुनिश्चित किया जा सके। नगर निगम, दुर्ग द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे प्रकाशित सूची का अवलोकन करें तथा योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी के लिए निगम कार्यालय से संपर्क करें। साथ ही हितग्राही निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए योजना का लाभ प्राप्त करें।

"न्यायिक कार्यो में गति और पारदर्शिता की दिशा में पहल

दुर्ग। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग द्वारा जिला न्यायालय के सभागार में बुधवार एक अप्रैल को दो महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया गया। प्रथम बैठक लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम (एलएडीसीएस) के अंतर्गत कार्यरत अधिवक्ताओं के कार्यों की मासिक समीक्षा हेतु आयोजित की गई। बैठक में अधिवक्ताओं द्वारा प्रकरणों में किए जा रहे कार्य, प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध निष्पादन पर विस्तृत चर्चा की गई। न्यायाधीश द्वारा अधिवक्ताओं को निर्देशित किया गया कि वे पात्र आरोपियों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी विधिक सहायता प्रदान करें तथा प्रत्येक प्रकरण में सक्रियता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करें।

इसके पश्चात जेल अधीक्षक के साथ एक पृथक बैठक आयोजित की गई, जिसमें माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कैदियों की समय-पूर्व रिहाई, पैरोल और फरलो की प्रक्रिया, 2022 (ON THE PROCESS OF PREMATURE RELEASE, PAROLE AND FURLOUGH OF PRISONERS, 2022) के संबंध में तैयार एस.ओ.पी. में प्रदत्त दिशा-निर्देशों के पालन में आरोपियों/बंदियों की समय पूर्व रिहाई, पैरोल एवं फरलो से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की गई। बैठक में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण, पात्र बंदियों को समय पर लाभ प्रदान करने तथा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रक्रियाओं का विधिसम्मत एवं समयबद्ध पालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे पात्र व्यक्तियों को न्यायोचित लाभ समय पर प्राप्त हो सके। यह बैठक न्यायिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उक्त बैठक में स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत की अध्यक्षा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, केन्द्रीय जेल अधीक्षक तथा लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

कोकड़ी में विधायक चंद्राकर ने 53.49 लाख के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन व लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कोकड़ी में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यों की आधारशिला रखी।

भूमिपूजन में सामुदायिक भवन (12.00 लाख), रपटा निर्माण (19.80 लाख), निषाद भवन (10.00 लाख) और आँगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-01 (11.69 लाख) कुल योगः 53.49 लाख का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कोकड़ी के हर घर तक बुनियादी सुविधाएँ पहुँचाना हमारा संकल्प है। सामुदायिक भवन और निषाद भवन से गाँव को सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजनों के लिए अपना स्थायी मंच मिलेगा—बैठक, भजन-कीर्तन, प्रशिक्षण और सामुदायिक निर्णय—सब एक छत के नीचे संभव होंगे। रपटा निर्माण बरसात में जल-निकासी की पुरानी समस्या का स्थायी समाधान देगा, जिससे खेत-खलिहान और घरों तक आवागमन सुरक्षित व निर्बाध रहेगा; कीचड़ और जलभराव से राहत मिलेगी। आँगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण हमारे नौनिहालों और मातृ-शक्ति के लिए नई सुबह है—यहाँ पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य जाँच और प्रारंभिक शिक्षा एक साथ सुदृढ़ होंगी, जिससे आने वाली पीढ़ी अधिक स्वस्थ व सक्षम बनेगी।

श्री चंद्राकर ने कहा क्षेत्र के विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं होगी। जो काम जनता माँगेगी, वही प्राथमिकता से होगा—और समय-सीमा में पूरा होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएँ गाँव-गाँव तक पहुँच रही हैं, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारकर हमने वादे निभाए हैं, आगे भी निभाएँगे। कोकड़ी को हम मिलकर स्वच्छ, सुगम और समृद्ध गाँव बनाएँगे।

जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, मंडल अध्यक्ष श्रीमती शीतला राजपूत, महामंत्री चंदू देवांगन, सरपंच युगल किशोर चंद्राकर, राजू साहू, रवि साहू; बूथ अध्यक्ष लोचन प्रसाद साहू, सुलेंद्र निर्मलकर, अनिल कुमार; दीना निषाद, रघुनाथ निषाद, शिव निषाद, गोरेलाल निषाद; पंचगण डुलेश्वर साहू, खूबचंद नेताम, श्रीमती निर्मला मानिकपुरी, श्रीमती दुर्गा ठाकुर, श्रीमती उषा साहू, श्रीमती सरोज ठाकुर, रामवतार यादव, खिलेद्र साहू, इतवारी ठाकुर, सेवक निषाद, दुर्जन यादव; सचिव गैंदलाल व बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

विधायक ललित चंद्राकर ने प्राचीन हनुमान मंदिर में की पूजा अर्चना

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने धमतरी जिला अंतर्गत अपने गृह ग्राम दोनर के बजरंग चौक स्थित कूल देवता, प्राचीन हनुमान मंदिर में सह परिवार सम्मिलित होकर सुखदायक और शोकनाशक श्रीहनुमत महाप्रभु की विधि विधान से पूजा आराधना की और खिचड़ी, खीर पूड़ी प्रसाद वितरण कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि पवनपुत्र हनुमान जी का जीवन हमें अटूट भक्ति, अदम्य साहस और निस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देता है। यह पर्व हमें बुराइयों के विरुद्ध खड़े होने, धर्म और सत्य के मार्ग पर अडिग रहने का संदेश देता है। उन्होंने कामना की कि हनुमान जयंती का यह पर्व सभी के लिए मंगलकारी सिद्ध हो और समाज में सद्भाव, समर्पण और शक्ति का संचार करे।

महराज राजू पाण्डे ने बताया हनुमान जन्मोत्सव के पर्व पर हर साल इस मन्दिर पर सह परिवार पूजा आराधना करते हैं कुल देवता के रूप में मनाता हैं।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से मेरे परिवार दिलीप चंद्राकर, खुमेंद्र चंद्राकर रवेंद्र चंद्राकर नयन, चंद्राकर जयप्रकाश, चंद्राकर निखिल चंद्राकर नंद चन्द्राकर ओम शुभ, मेघना, विद्या, गीतिका, रीना, यशोमति, विभा, निमर्ला चंद्राकर, सरपंच खिलेश बाई नागरची उपसरपंच हलघर चंद्राकर, नंदकिशोर, गणेश, डिकेश्वर राजू, छन्नू कोमल प्रदीप, पन्नालाल, गंगा राम जी, सोहन, दिलीप, सोप, रमेश कुमार, गौतम चंद्राकर, मोहन घृतलाहरे, गयाराम , कार्तिक राम, रमेश ध्रुव जी, महराज राजू पाण्डे अर्जुन कोटवार, देवव्रत चंद्राकर दुर्गेश चंद्राकर, गंगा प्रसाद चंद्राकर, इंद्र कुमार चंद्राकर, छन्नू चंद्राकर, बेनी राम चंद्राकर, घनश्याम चंद्राकर, खिलेंद्र ध्रुव, हेमलाल चंद्राकर, बीगेश्वर साहू, बसंत चंद्राकर, बसंत चंद्राकर रामगोपाल चंद्राकर, पोखन सेन, पप्पू यादव, डीगेश्वर चंद्राकर, देवव्रत चंद्राकर, बाला नंद चंद्राकर और सेमरा साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज की जयंती पर प्रदेश में अवकाश घोषित करें – प्रतीक उमरे

दुर्ग। दुर्ग नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन एवं सेन समाज सेवा समिति युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. प्रतीक उमरे ने 14 अप्रैल को संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज की जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश में शासकीय अवकाश घोषित करने का आग्रह मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से किया है। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज का जीवन समाज सेवा, मानवता, समरसता और भक्ति का अद्भुत उदाहरण रहा है, जिनके आदर्शों से आज भी समाज को नई दिशा और प्रेरणा मिलती है। सेन जी महाराज ने समाज में समानता, सेवा और आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया। उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर समाज में भाईचारा, सामाजिक समरसता और मानव कल्याण को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सेन समाज सहित बड़ी संख्या में लोग संत श्री सेन जी महाराज की जयंती को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं, इसलिए इस पावन अवसर पर शासकीय अवकाश घोषित किया जाना समाज की भावनाओं का सम्मान होगा। छत्तीसगढ़ सरकार समाज के सभी वर्गों के सम्मान और उनकी आस्था को प्राथमिकता देती रही है। ऐसे में संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज की जयंती पर अवकाश घोषित होने से प्रदेश के लाखों श्रद्धालुओं को धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिलेगा और समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा।

कलेक्टर की पहल से अंडरपास की ऊँचाई को मिली स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले के दुर्ग विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम थनौद के पास निर्माणाधीन भारत माला सड़क में अंडरपास ब्रिज की ऊँचाई 06 मीटर करने की स्वीकृति मिल गई है। उक्त अंडरपास ब्रिज की उंचाई 06 मीटर करने का कार्य आज से प्रारंभ हो चुका है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के सकारात्मक पहल एवं आश्वासन पर विगत दिवस किसानों एवं ग्रामीणों ने वहाँ अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त किया था।

कलेक्टर श्री सिंह ने अंडरपास ब्रिज की ऊँचाई की स्वीकृति नहीं होने तक विवादित स्थल पर कार्य नहीं होने एवं शेष कार्य चालू करने के निर्देश दिये थे, जिसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त किया गया था। आज कृषकों की दो प्रमुख माँगों में से एक अंडरपास की ऊँचाई बढ़ाने की माँग पर मुहर लग गई है। स्वीकृति मिलने के बाद वहाँ कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। कार्य प्रारंभ होने संबंधी जानकारी से ग्रामीणजनों एवं कृषकों को भी अवगत करायी गई है।

उल्लेखनीय है कि पहले अंडरपास की ऊँचाई 04 मीटर थी जिसे लेकर किसान, ग्रामीण, मूतिर्कार आंदोलित थे, उनकी माँग थी कि ऊँचाई बढ़ाई जाये जिससे हार्वेस्टर धान परिवहन, मूर्ति परिवहन में आसानी हो। इन कारणों से उनके द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल कर निर्माणकार्य को प्रभावित किया गया। अंडरपास की ऊँचाई अब 04 मीटर से बढ़ा कर 06 मीटर की जा रही है। प्रशासन की इस पहल से किसान व ग्रामीणजन अब खुश होकर शासन-प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किये हैं।

वैशाली नगर और ग्राम ननकट्ठी के ग्रामीण जल संकट से परेशान, जनदर्शन में लगाई गुहार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे।

जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 102 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विभिन्न जनसमस्याओं से जुड़े आवेदनों पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल

कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसी कड़ी में नयापारा वार्डवासियों ने अवैध निर्माण कार्य को रोकने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि दुर्ग के नयापारा वार्ड क्रमांक 1 एवं 2 स्थित शीतला मंदिर (गौशाला) चौक में कुछ लोगों द्वारा सार्वजनिक एवं शासकीय भूमि पर मंदिर निर्माण करने के लिए सीमेंटीकरण को तोड़ा जा रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह स्थल वर्षों से धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों जैसे गौरी-गौरा एवं जोत-जवांरा विसर्जन के लिए उपयोग में आता रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने और स्थल को सुरक्षित रखने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

दुर्ग जिले के ग्राम बासीन के ग्रामवासियों ने तालाब से मुरूम खनन की शिकायत की। ग्रामवासियों ने बताया कि सरपंच और सचिव द्वारा कीचड़ सफाई के नाम पर अधिक मात्रा में मुरूम खनन का कार्य किया जा रहा है, जिससे तालाब सूख गया है। तालाब में लगभग 70 से 80 प्रतिशत लोग निस्तारी करते है। बिना किसी शासकीय स्वीकृति के जेसीबी से तालाब की मेड़ तोड़कर पानी निकाल दिया गया, जिससे तालाब पूरी तरह से सुख गया है।

ग्रामवासियों ने खनन कार्य पर रोक लगाने और तालाब को पुनः भरवाने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग और खनिज विभाग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत ननकट्ठी के सरपंच ने जल जीवन मिशन योजना के तहत टंकी निर्माण एव पाईप लाईन बिछाने की मांग की। उन्होंने बताया कि ग्राम ननकट्ठी में जल जीवन मिशन योजना के तहत टंकी निर्माण और पाइपलाइन विस्तार का कार्य अधूरा है, जिससे ग्रामीणों को भारी जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी अधिक बढ़ने पर ग्रामवासियों को करीब 4 किलोमीटर दूर नदी से पानी लाना पड़ सकता है। इसी प्रकार भिलाई के वैशाली नगर वार्ड क्रमांक 30 (जलेबी चौक के आगे) में जल संकट को लेकर स्थानीय निवासियों आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। इस दौरान जनदर्शन में विभागीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका ने हनुमान जन्मोत्सव पर नर्मदा कुंड हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर नमर्दा कुंड हनुमान मंदिर स्टेशन चौक एवं सर्व धर्म हनुमान मंदिर रेल्वे स्टेशन कैम्पस रायपुर में विधिवत पूजा-अचर्ना कर सुख-समृद्धि, खुशहाली और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना कर आशीर्वाद लिया।

धमतरी के विद्यार्थियों ने किया लोकभवन का भ्रमण : राज्यपाल से की मुलाकात

राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर प्रदेश के सर्वोच्च संवैधानिक कार्यालय लोकभवन की कार्यप्रणाली से अवगत कराने और यहां की कार्यालयीन गतिविधियों से जनसामान्य को जोड़ने के उद्देश्य से लोकभवन का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में आज डीपीएस स्कूल के विद्यार्थियों ने लोकभवन का भ्रमण किया और राज्यपाल रमेन डेका से आत्मीय मुलाकात की। श्री डेका ने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए उन्हें जरूरी मार्गदर्शन प्रदान किए।

श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थी जीवन बहुत सुंदर होता है। इसका सदुपयोग करें तभी सफलता मिलेगी। जीवन के सभी निणर्यों को सोच-समझकर ठंडे दिमाग से लेना चाहिए। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। हर विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर नहीं बन सकता बल्कि अनेक क्षेत्र हैं जहां अपना कैरियर बना सकते है।

डीपीएस स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले 51 छात्र और 25 छात्राओं की टोली ने अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ लोकभवन का भ्रमण कर यहां की ऐतिहासिक व कार्यालयीन महत्ता को जाना और समझा। उन्हें लोकभवन परिसर स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम, उदंती परिसर, कन्हार परिसर, डिस्पेंसरी, सचिवालय की विभिन्न शाखाओं और हरे-भरे उद्यान का भ्रमण कराया गया और इन स्थानों के संबंध में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई। भ्रमण एवं अवलोकन के बाद विद्यार्थियों ने बताया कि लोकभवन में आकर उन्हें नया अनुभव हो रहा है। पहली बार वे राज्यपाल से मिले हैं साथ ही यहां की संरचना, हरियाली देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई है।

खास खबर

स्कूली बच्चे पहुंचे लोकभवन, राज्यपाल ने संस्था को प्रदान किया ई-रिक्शा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस के अवसर पर कोपलवाणी स्कूल के स्पीच थेरेपी सेंटर के बच्चे अपने माता-पिता एवं शिक्षकों के साथ लोक भवन पहुंचे और राज्यपाल रमेन डेका से शिष्टाचार भेंट की। यह अवसर न केवल बच्चों के लिए विशेष रहा, बल्कि समाज में ऑटिज़्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। राज्यपाल ने बच्चे और उनके अभिभावकों तथा विशेष बच्चों के लिए समर्पित शिक्षकों से आत्मीय संवाद किया तथा उनके प्रयासों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने ऑटिज़्म को नजदीक से समझने का अवसर प्राप्त किया तथा विशेष बच्चों की क्षमताओं और चुनौतियों को संवेदनशीलता के साथ जाना। कार्यक्रम के दौरान श्री डेका बच्चों के साथ अत्यंत आत्मीयता से मिले और उनके साथ समय बिताया। सभी ने मिलकर नीले रंग के गुब्बारे आकाश में छोड़कर यह संदेश दिया कि समाज में हर बच्चे को समान अवसर, समझ और स्वीकायर्ता मिलनी चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने कोपलवाणी संस्था के बच्चों के आवागमन की सुविधा के लिए अपने स्वेच्छानुदान मद से ई-रिक्शा प्रदान किए और उन्होंने ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कोपलवाणी की डायरेक्टर श्रीमती पद्मा शर्मा ने बताया कि यह पहला अवसर है जब विशेष बच्चे लोकभवन पहुँचे हैं। अभिभावकों ने भी इसे गर्व का विषय बताया कि उनके बच्चे आज राज्यपाल से भेंट कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सही मार्गदर्शन, विशेष शिक्षकों, अभिभावकों एवं समाज के संवेदनशील लोगों के सहयोग से ये बच्चे निश्चित ही जीवन में उत्कृष्ट मुकाम प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में संस्था के शिक्षक, शिक्षिकाएं सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

महापौर मीनल चौबे ने श्री हनुमान मन्दिर के समीप नवनिर्मित शेड का किया लोकार्पण

रायपुर। अमर रामदूत संकट मोचन भगवान श्री हनुमानजी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर रायपुर पश्चिम विधायक और प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री राजेश मूणत और रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 अंतर्गत नेताजी कन्हैयालाल बाजारी वार्ड क्रमांक 15 क्षेत्र में गुढ़ियारी मच्छीतालाब श्री हनुमान मन्दिर के समीप अधोसंरचना मद अंतर्गत नगर निगम जोन 1 लोक कर्म विभाग के माध्यम से 20 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से नवनिर्मित शेड का फीता काटकर लोकार्पण नगर निगम जोन 1 जोन अध्यक्ष गज्जू साहू, जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, एमआईसी सदस्य नंदकिशोर साहू, पार्षद राजेश कुमार देवांगन, परमिला बल्लाराम साहू, सोहन साहू, पूर्व पार्षद खेमराज साहू, विनोद अग्रवाल, पार्षद प्रतिनिधि अशोक पाण्डेय, सामाजिक कार्यकर्त्ता बजरंग खंडेलवाल, श्रीरामभक्तों की उपस्थिति के मध्य सौगात दी।

ककनार घाटी के नीचे थमा लाल आतंक का शोर, अब गूंजती है बस की आवाज

संकरी पगडंडियों और चुनौतीपूर्ण रास्तों पर बनी नई सड़क

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर की भौगोलिक विषमताओं और कठिन परिस्थितियों के बीच विकास की एक ऐसी नई इबारत लिखी गई है, जिसकी कल्पना कुछ साल पहले तक नामुमकिन थी। ककनार घाटी के नीचे बसे सुदूर गांव कुधूर, धरमाबेड़ा, चंदेला, ककनार और पालम जो कभी वामपंथी आतंक के गढ़ माने जाते थे, मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा के माध्यम से मुख्यधारा से जुड़ गए हैं।

इन गांवों के निवासियों के लिए पक्की सड़क का निर्माण एक ऐसा सपना था, जिसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था, क्योंकि घाटी की दुर्गम ढलान और माओवाद के साये ने विकास के हर रास्ते को अवरुद्ध कर रखा था। लेकिन आज उन्हीं संकरी पगडंडियों और चुनौतीपूर्ण रास्तों पर बनी नई सड़क में बस का दौड़ना बस्तर की बदलती तस्वीर का सबसे सशक्त प्रमाण है। ज्ञात हो कि बस्तर जिले में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना की शुरूआत बीते 04 अक्टूबर 2025 को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा की गई थी। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के माध्यम से जिले के चार चयनित मार्गों पर बस सेवा संचालित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत शुरू हुई यह बस सेवा केवल एक वाहन नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की एक कड़ी है। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार रायपुर द्वारा स्वीकृत समय-सारणी के अनुसार यह बस प्रतिदिन कोण्डागांव जिले के मर्दापाल से अपनी यात्रा शुरू करती है और ककनार घाटी के नीचे बसे उन गांवों को जोड़ती है जहाँ कभी पैदल चलना भी जोखिम भरा था। घाटी के इन दुर्गम अंचलों से होते हुए बस धरमाबेड़ा और ककनार जैसे पड़ावों को पार कर संभाग मुख्यालय जगदलपुर पहुँचती है। इससे उन लोगों का सफर अब सुगम हो गया है जिन्होंने दशकों तक केवल सड़क और बस का इंतजार किया था।

वामपंथी समस्या के कमजोर पड़ने और सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के चलते अब इन संवेदनशील इलाकों में सड़कों का निर्माण संभव हो पाया है। पक्की सड़कों के इस जाल ने न केवल परिवहन को आसान बनाया है, बल्कि ककनार घाटी के नीचे बसे ग्रामीणों के मन से अलगाव का डर भी खत्म कर दिया है। अब शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के लिए ग्रामीणों को मीलों का सफर तय नहीं करना पड़ता। यह निरंतर बस सेवा इस बात का प्रतीक है कि बस्तर का वह हिस्सा जो कभी अंधेरे में खोया हुआ माना जाता था, अब पूरी रफ्तार के साथ प्रगति की राह पर अग्रसर है। घाटी की ऊंचाइयों से उतरकर यह बस आज हर ग्रामीण के घर तक शासन की योजनाओं और खुशहाली का संदेश पहुँचा रही है। इस बारे में चंदेला के सरपंच तुलाराम नाग कहते हैं कि करीब दो साल पहले तक इस ईलाके में माओवादी समस्या के कारण विकास थम सी गई थी लेकिन आज सड़क बन जाने के साथ ही विकास को एक नई दिशा मिल चुकी है। इस ईलाके में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाओं के साथ ही उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न एवं अन्य जरूरी सामग्री सुलभ हो रही है।

वहीं समीपस्थ ग्राम ककनार में साप्ताहिक बाजार की रौनक देखते ही बनती है। क्षेत्र के ककनार सरपंच बलीराम बघेल बताते हैं कि पहले उन्हे अपने तहसील मुख्यालय लोहण्डीगुड़ा और जिला मुख्यालय तक जाने मे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब सड़क के बन जाने से बारहमासी आवागमन की सुविधा मिल रही है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी गर्व की बात, प्रदेश से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मिलेगा मौक़ा : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री सुश्री रक्षा निखिल खडसे ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर विधायक पुरन्दर मिश्रा, भारतीय खेल प्राधिकरण के उप महानिदेशक मयंक श्रीवास्तव एवं खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सुश्री खडसे का शॉल, बस्तर आर्ट से निर्मित आकर्षक प्रतिकृति तथा बस्तर दशहरा पर आधारित कॉफी टेबल बुक भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर, संसाधन और सशक्त मंच उपलब्ध कराने की है। राज्य सरकार खेल एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि हाल ही में आयोजित बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक ने प्रदेश को नई पहचान दिलाई है। इन आयोजनों के जरिए अनेक छिपी हुई प्रतिभाएं सामने आई हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। सरकार द्वारा उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके कौशल को और निखारने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी करना प्रदेश के लिए गर्व की बात है और हमारे आदिवासी अंचल के युवाओं में यह नई ऊर्जा का संचार करेगा।

मुख्यमंत्री ने ह्यबस्तर पंडुम का उल्लेख करते हुए कहा कि इस आयोजन में पारंपरिक खेल, गायन, वादन, वेशभूषा एवं व्यंजन सहित 12 विधाओं में लगभग 54 हजार प्रतिभागियों की भागीदारी प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और खेल विरासत का सशक्त उदाहरण है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय राज्य मंत्री सुश्री खडसे ह्यखेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ प्रवास पर हैं। जगदलपुर में आयोजित इस आयोजन को उन्होंने आदिवासी सशक्तिकरण, जमीनी स्तर पर प्रतिभा खोज और खेलों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

27 महिलाओं को मिला आत्मनिर्भरता का हुनर

महासमुंद। बड़ौदा आरसेटी महासमुन्द में 28 फरवरी से 30 मार्च 2026 तक आयोजित 31 दिवसीय निरूशुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं एवं युवाओं को स्वरोजगार हेतु कौशल विकास प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में कुल 27 युवतियों ने भाग लिया एवं प्रशिक्षण का लाभ लेते हुए सिलाई कार्य में दक्षता प्राप्त की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सिलाई की आधुनिक तकनीक, मशीन संचालन, डिजाइनिंग तथा स्वरोजगार स्थापित करने से संबंधित जानकारी प्रदान की गई।

समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत महासमुंद की अध्यक्ष श्रीमती दिशा दीवान उपस्थित रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद सदस्य योगेश्वर चंद्राकर तथा संस्थान के निदेशक टूटू बेहरा उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती दिशा दीवान ने कहा कि बडौदा आरसेटी महासमुन्द में प्रशिक्षण प्राप्त कर युवतियां आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने युवाओं एवं युवतियों को प्रेरित किया तथा बिहान समूह से जुड़कर स्वावलंबी बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारीगण, प्रशिक्षक एवं सभी प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

धान संग्रहण केन्द्रो में लाखों टन धान खुले में पड़ा सूख रहा और सरकार लापरवाह - कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कांग्रेस ने संग्रहण केन्द्रों पर धान खुले मे पड़े रहने पर चिंता व्यक्त की है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि जितने लंबे समय तक धान खुले में पड़े रहेगा, नमी का मौसम का असर धान पर पड़ेगा। गुणवत्ता में गिरावट आयेगी और भ्रष्टाचार की गुंजाईश बढ़ेगी तथा एक बार फिर से चूहों पर जिम्मेदारी थोपी जायेगी।

भ्रष्टाचार करने की नीयत से भाजपा सरकार संग्रहण केन्द्रो से मीलरों को मीलिंग के लिये धान नहीं दे रही, ताकि धान खराब होने के नाम पर एवं खुले बाजार में निलामी करके भ्रष्टाचार किया जा सके। पूरे प्रदेश में लाखां मीट्रिक टन उठाव के अभाव में संग्रहण केन्द्रो में जमा पड़ा है। पुरे प्रदेश मे 24 लाख टन से अधिक धान खुले मे पड़ा है। अकेले बेमेतरा जिले में 7 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान जाम पड़ा हुआ है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि जब मीलर सरकार से अनुबंध के तहत धान लेने को तैयार है। फिर सरकार धान को मिलर्स को क्यों सौंप नहीं रही है ? जितने लंबे समय तक धान संग्रहण केन्द्रों में रखा जायेगा, उतना ही भ्रष्टाचार का जोखिम बढ़ेगा और उतना ही धान खराब होने और वजन कम होने का खतरा रहेगा, यानी हर दिन के साथ सरकार खुद अपने नुकसान को बढ़ा रही है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि जब सरकार को ये सारे जोखिम पहले से पता है, तब मिलर्स धान लेने को तैयार है, जब उद्योग संघ भी लिखित में मांग कर चुका है, तो फिर धान को रोककर रखने की जिद क्यों की जा रही है। सरकार इस धान को नीलामी के जरिए बेचने की तैयारी में है। 3100 में खरीद कर 2000 में बेचकर कमीशन खोरी की जायेगी।

टीम प्रहरी अभियान : सर्विस रोड और पुरैना मुख्य मार्ग को करवाया अतिक्रमणमुक्त

5-6 ठेलों, गुमटियों को हटाया और लगभग 30-35 ठेलों व गुमटियों को स्वत : हटाने की दी समझाईश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप और यातायात एसपी अजय कुमार के निर्देशानुसार एएसपी यातायात विवेक शुक्ला, नगर निगम अपर आयुक्त नगर निवेश पंकज के. शर्मा, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश आशुतोष सिंह, नगर निगम जोन 10 जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा , कायर्पालन अभियंता आशीष शुक्ला , सहायक अभियंता योगेश यदु, सुशील अहीर, उपअभियंता मनोज साहू, राहुल थारानी सहित सम्बंधित यातायात पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता, नगर निगम जोन क्रमांक 10 नगर निवेश विभाग की टीम और राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण के सम्बंधित क्षेत्र के अधिकारियों द्वारा राजधानी शहर नगर निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन क्रमांक 10 क्षेत्र अंतर्गत उद्योग भवन सर्विस रोड और पुरैना मुख्य मार्ग में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत सर्विस रोड और प्रमुख मार्ग के क्षेत्र में राजधानी शहर के प्रमुख मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करने व्यापक अभियान के अंतर्गत जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम और सुव्यवस्थित यातायात देने सभी दुकानदारों को एक बार पुनः स्पष्ट हिदायत दी गई।

वे किसी भी हालत में सड़क पर कब्जा ना करें, अन्यथा की स्थिति में सड़क पर रखे उनके सभी सामानों की यातायात जाम की समस्या दूर करने जनहित में सख्तीपूर्वक तत्काल जब्ती कर ली जाएगी। इस स्थिति के निर्मित होने पर सम्बंधित कब्जाधारी दुकानदार स्वतः जिम्मेदार रहेंगे ।

चलाये गए जनहितकारी टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत जोन क्रमांक 10 अंतर्गत उद्योग भवन सर्विस रोड और पुरैना मुख्य मार्ग में लगभग 5-6 ठेलों , गुमटियों को सर्विस रोड और प्रमुख मार्ग को कब्जामुक्त करने कड़ाई से व्यवस्था सुधारने हटाने की कार्रवाई की गई।

वहीं क्षेत्र में लगभग 35 ठेलों और गुमटियों को 24 घण्टे में स्वतः अपने ठेले और गुमटी को सर्विस रोड और प्रमुख मार्ग क्षेत्र से हटा लेने की कड़ी हिदायत दी गई। अन्यथा की स्थिति में अभियान चलाकर हटाने, जप्त करने और जुर्माना करने की कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी सम्बंधित ठेला और गुमटी दुकानदारों को व्यवस्था सुधार हेतु टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत दी गयी। टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत लगातार चलाये जा रहे अतिक्रमणरोधी अभियान से राजधानी शहर रायपुर के विभिन्न प्रमुख बाजार क्षेत्रों में भिन्न मुख्य मार्गों का यातायात निरन्तर सुगम और सुव्यवस्थित हो रहा है और इससे आमजनों को यातायात जाम की समस्या से मुक्ति सहित लगातार त्वरित राहत प्राप्त हो रही है।

नल विच्छेदन की कार्यवाही जारी रखने के दिये निर्देश

आयुक्त ने रायपुर नगर निगम हेतु मार्च 2026 के अंतिम 5 दिनों में लगभग 35 करोड का राजस्व वसूलने के कार्य हेतु नगर निगम के सभी जोन कमिश्नरो एवं सहायक राजस्व अधिकारियों सहित सभी जोनो के राजस्व अमले के कर्मचारियों के कार्यों एवं मेहनत की सराहना की एवं इसे राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देश पर नागरिको हेतु संपत्तिकर अदा करने एक माह 30 अप्रैल तक बिना सरचार्ज बढ़ायी गयी छुट का सभी संपत्तिकर धारको को अधिकतम लाभ दिलवाकर सभी संपत्तिकरदाताओ से नियमानुसार देय संपत्तिकर वसूलकर शत प्रतिशत राजस्व वसूली निगम हित में करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। आयुक्त ने सभी जोन कमिश्नरो एवं जोन सहायक राजस्व अधिकारियों को नागरिको को शासन और नगर निगम द्वारा उपलब्ध ऑन लाईन संपत्तिकर भुगतान हेतु जनसुविधा हेतु शासन की मंशानुसार अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने कहा एवं अप्रैल माह में सभी जोनो को बकाया ना देने वाले बकायेदारो के संस्थानो में नियमानुसार वसूली हेतु सीलबंदी की कार्यवाही एवं बकाया ना देने वाले बड़े बकायेदारो के घरो में नल विच्छेदन की नियमानुसार कार्यवाही लगातार अभियान चलाकर निगम हित में जारी रखने के निर्देश दिये। आयुक्त ने समीक्षा बैठक में रायपुर नगर निगम के आवासीय व्यवसायिक औद्योगिक, सरकारी, मिश्रित, सनहाल में हुई राजस्व वसूली एवं शेष बकाया राशि बकायादारो की सूची की जानकारी लेकर उसका अवलोकन किया। आयुक्त ने लगभग 32 हजार बकायादारो से बकाया राजस्व रायपुर नगर निगम हेतु वसूलने अभियान चलाकर निगम हित में फोकस करने कहा ।

बैठक में आयुक्त विश्वदीप ने समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा के अधीक्षण अभियंता श्री राजेश राठौर सहित अन्य अधिकारियों को केन्द्र सरकार की जनहितकारी प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मोर जमीन मोर मकान घटक अंतर्गत भवन अनुज्ञा भवन निर्माण प्रारंभ करने देने के बाद समय सीमा के पूर्व मकान निर्माण पूर्ण कर लेने वाले संबंधित हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 32 हजार 500 रू. का अनुदान देने की जनहितैषी योजना की अधिक से अधिक जानकारी नागरिको को देने एवं प्रोत्साहित कर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में उसका लाभ अधिक से अधिक हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा उपरांत समय सीमा के पूर्व उनका मकान निर्माण होने पर वांछित तरीके से दिलवाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये।

संपादकीय

ईरान हार मान नहीं रहा, जीत की घोषणा ट्रंप की मजबूरी

ईरान-इजराइल व अमरीका के बीच चल रहे युध्द को एक माह से ज्यादा हो गया है। ईरान और इजराइल के बयानों से तो नही लगता है कि वह युध्द समाप्त करने को तैयार है ।युध्द से दोनों को नुकसान होने के बाद भी दोनों आगे भी लड़ते रहने को तैयार हैं। तब तक लड़ने को तैयार है, जब तक कि एक पक्ष हार न मान ले। इजराइल ने साफ कह दिया है कि उसका लक्ष्य अभी पूरा नहीं हुआ है, वह अपने लक्ष्य को हासिल करने के बाद ही युध्द रोकेगा। ईरान इजराइल के खिलाफ लड़ तो रहा है लेकिन उसके बयान अमरीका के खिलाफ ज्यादा आते हैं और वह यह जताता रहता है कि ईरान दूसरे देशों जैसा नहीं हैं जो अमरीका के आगे झुक जाए। वह अमरीका से लड़ रहा है और अमरीका उसे अब तक हरा नहीं पाया है। एक माह के युध्द में अमरीका ईरान को झुका नहीं पाया है। एक माह तक ईरान पर हमला कर अमरीका ईरान को डरा नहीं पाया है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप भले कहे कि ईरान युध्दविराम की मांग कर रहा है जबकि अमरीका अभियान जल्द खत्म करने की तैयारी में है।

अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा है कि ईरान युध्द में अमरीका ने निर्णायक बढ़ प्राप्त कर ली है। उसके अधिकांश सैन्य लक्ष्य पूरे हो चुके हैं। अमरीका के हमले में ईरान की नौसेना व वायुसेना खत्म हो चुकी है। मिसाइल व ड्रोन क्षमता कर दी गई है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स को भारी नुकसान पहुंचा है ।ट्रंप ने कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। ट्रंप ने अमरीका व दुनिया के देशों को यह बताने की कोशिश की है कि अमरीका विश्व का एकमात्र ऐसा देश है वह जो चाहता है, करता है और वह जो कुछ करता है, उसमें सफल रहता है ।ईरान के मामले में वह भले ही कहे कि अमरीकी सेना ने ईरान पर बड़ी जीत हासिल की है। अमरीका ईरान को हरा चुका है। ईरान हार मान चुका है और वह युध्द विराम की मांग कर रहा है लेकिन वर्तमान डिजिटल मीडिया के दौर में कोई भी देश अब सच को छुपा नहीं सकता। ट्रंप हजार बार कहें कि ईरान हार चुका है, अमरीका ने ईरान को हरा दिया है लेकिन लोगों के मन सवाल तो उठेगा ही कि यह ट्रंप की कैसी जीत है कि हारने वाला मान नहीं रहा है कि हम हार गए हैं और ट्रंप कह रहे हैं कि हमने ईरान को हरा दिया।

पहले दो देशों के बीच युध्द होता था और एक देश जीतता था और एक देश हारता था। जीतने वाला देश तब ही जीता हुआ माना जाता था जब एक देश हार स्वीकार करता था। इसके बाद दोनों देशों के बीच युध्द समाप्त हो जाता था। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हर तरह से प्रयास करके देख लिया है कि ईरान किसी तरह युध्द समाप्त करने को तैयार हो जाए यानी ईरान हार मान ले लेकिन ट्रंप के हर तरह के प्रयास के बाद भी, जमीनी लड़ाई, खर्ग द्वीप पर कब्जा करने की धमकी देने के बाद ईरान अमरीका के सामने झुकने को तैयार नही है। वह तो शहादत देने को तैयार है। ईरान के एक माह तक लड़ते रहने से अमरीका परेशान है क्योंकि वह सोचता था कि कुछ दिनों मे ईरान घुटनो पर आ जाएगा लेकिन एक माह बाद भी अमरीका के सामने ईरान तनकर खडा है. ईरान की यह मुद्रा ही अमरीका के लिए परेशानी का सबब है। वह ईरान के सर को अपने सामने झुका हुआ देखना चाहता है और ईरान सर उठाए हुए है तो मजबूरी में अमरीका को अपने देश व दुनिया का बताना पड़ रहा है कि हम तो जीत चुके हैं, हमारा लक्ष्य पूरा हो गया है। अब हमारे लिए युध्द का कोई मतलब नहीं है। हकीकत में ईरान अमरीका को यह बता रहा है कि युध्द तो समाप्त होगा लेकिन अमरीका की शर्तो पर नहीं ईरान की शर्तो पर होगा।

ईरान ने तो पहले ही साफ कह दिया है कि युध्द अमरीका के चाहने से नहीं रुकेगा, युध्द तो तब ही रुकेगा जब ईरान चाहेगा ।ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने फिर कहा है कि अमरीका ईरान की कुछ शर्ते मान लें तो ईरान युध्द समाप्त कर सकता है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी साफ कहा है कि अमरीका से कोई सीधी बातचीत नही हो रही है ।साथ ही ईरानी अधिकारियों ने ट्रंप के सीज फायर की मांग करने के दावे से भी इंकार किया है ।अमरीका जो कुछ कहता है, ईरान उसे झूठ बता देता है और साफ कर देता है कि वह ट्रंप के दबाब में आने वाला नहीं है ।ईरान समझ चुका है कि अमरीका ईरान में जो करना चाहता था, नहीं कर सका है ।यह ट्रंप की हार है और ईरान की जीत है। अमरीका व इजराइल तो ईरान में खामनेई की सत्ता को उखाड़ फेंकना चाहते थे लेकिन एक माह भी खामनेई की सत्ता ईरान में है।

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप को अब ईरान के साथ युध्द लड़ना आने वाले दिनों बहुत महंगा पड़ सकता है इसलिए वह युध्द से निकलने की भूमिका तैयार कर रहे है कि अमरीका जीत गया है, अमरीका ने तय लक्ष्य प्राप्त कर लिए हैं ।वह यह तो कह रहे है कि अमरीका जीत गया है लेकिन ईरान हार स्वीकार कर इसकी पुष्टि नहीं कर रहा है। वियतनाम, अफगानिस्तान के बाद अमरीका के राष्ट्रपति को लग रहा है कि वह ईरान में फंस चुके हैं और इसका नुकसान उनको अमरीका की राजनीति में हो सकता है इसलिए वह ईरान के लड़ते रहने पर भी यह कहने को विवश है कि अगले कुछ दिनों में अमरीका युध्द से बाहर होगा। अमरीका के कहने से तो ईरान युद्ध रोकने वाला नहीं है क्योंकि उसे अब साबित करना है कि जीत तो ईरान की हुई है। वह अमरीका के सामने तनकर खड़ा रहेगा तो ही ऐसा साबित कर पाएगा दुनिया के सामने, मध्य पूर्व के देशों के सामने कि उसे अमरीका हरा नहीं पाया है।

मीडिया में दिख रहा है किस औरत का चेहरा !

प्रो. संजय द्विवेदी

औरत की देह इस समय मीडिया का सबसे लोकप्रिय विमर्श है । सेक्स और मीडिया के समन्वय से जो अथर्शास्त्र बनता है, उसने सारे मूल्यों को शीर्षासन करवा दिया है । फिल्मों, इंटरनेट, मोबाइल, टीवी चैनलों से आगे अब वह मुद्रित माध्यमों पर पसरा पड़ा है। मीडिया ने उदारीकरण के बाद बाजार में एकदम नई औरत उतार दी है, जो आत्मविश्वास से भरी है और तमाम वर्जित क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए उत्सुक है। इस सबके बीच मीडिया की कुछ सकारात्मक भूमिका भी है जो रेखांकित की जानी चाहिए। औरत की एक नई पहचान बनाने और स्थापित करने में उसने एक बड़ी भूमिका निभाई है। सौंदर्य एवं आकर्षण से इतर एक महत्वाकांक्षी और कर्मठ छवि बनाने में मदद की है। महिला अधिकार और स्वतंत्रता के साथ-साथ परिवार के अंदर वह एक निर्णायक भूमिका में नजर आ रही है। महिला उद्यमिता के साथ-साथ समाज में महिलाओं के संघर्ष को भी मीडिया ने स्वर दिया है। किंतु कुछ सकारात्मक पक्षों के साथ उसका महिला को एक सेक्स आब्जेक्ट के रूप में पेश करने का रवैया सबसे खतरनाक है, जो उसके सभी पुण्यकर्मों पर पानी फेर देता है।

प्रिंट मीडिया जो पहले अपने दैहिक विमर्शो के लिए प्लेबाय या डेबोनियर तक सीमित था अब दैनिक अखबारों से लेकर हर पत्र-पत्रिका में अपनी जगह बना चुका है। अखबारों में ग्लैमर वर्ल्ड के कॉलम ही नहीं खबरों के पृष्ठों पर भी लगभग निर्वसन विषकन्याओं का कैटवाग खासी जगह घेरा रहा है। वह पूरा हल्लाबोल 24 घंटे के चैनलों के कोलाहल और सुबह के अखबारों के माध्यम से दैनिक होकर जिंदगी में एक खास जगह बना चुका है। प्रिंट मीडिया अब इससे होड़ ले रहा है। इंटरनेट ने सही रूप में अपने व्यापक लाभों के बावजूद सबसे ज्यादा फायदा सेक्स कारोबार को पहुँचाया । पूंजी की ताकतें सेक्सुएलिटी को पारदर्शी बनाने में जुटी है। महानगरों में लोगों की सेक्स हैबिट्स को लेकर भी मुद्रित माध्यमों में सर्वेक्षण छापने की होड़ है ।

सेक्स को बार-बार कवर स्टोरी का विषय बनाकर ये उसे रोजमर्रा की चीज बना देना चाहते हैं ।इस षड़यंत्र में शामिल मीडिया बाजार की बाधाएं हटा रहा है। फिल्मों की जो गंदगी कही जाती थी वह शायद उतना नुकसान न कर पाए जैसा धमाल इन दिनों मुद्रित माध्यम मचा रहे हैं । कामोत्तेजक वातावरण को बनाने और बेचने की यह होड़ कम होती नहीं दिखती । मीडिया का हर माध्यम एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में है। यह होड़ है नंगई की । फिल्मों ने बाजार में एक नई हिंदुस्तानी औरत उतार दी है । जिसे देखकर समाज चमत्कृत है। कपड़े उतारने पर आमादा इस स्त्री के दर्शन के दर्शन ने मीडिया प्रबंधकों के आत्मविश्वास को हिलाकर रख दिया सेक्स सांस्कृतिक विनिमय की पहली सीढ़ी है। शायद इसीलिए जब कोई भी हमलावर किसी भी जातीय अस्मिता पर हमला बोलता है तो निशाने पर सबसे पहले उसकी औरतें होती हैं ।यह बाजारवाद अब भारतीय अस्मिता के अपहरण में लगा है, निशाना भारतीय औरतें हैं । एक समय में भारतीय स्त्री के सौंदर्य पर विश्व का अचानक मुग्ध हो जाना, देश में मिस युनीवर्स, मिस वर्ल्ड की कतार लग जाना-खतरे का संकेतक ही था। हम उस षड़यंत्र को भांप नहीं पाए । अमरीकी बाजार का यह अश्वमेघ, दिग्विजय करता हुआ हमारी अस्मिता का अपहरण कर ले गया।

लांछन अब इस दौर में उपलब्धियों में बदल रहे हैं । 'भोगो और मुक्त हो,' यही इस युग का सत्य है। कैसे सुंदर दिखें और कैसे 'मर्द' की आंख का आकर्षण बनें यही पहिला पत्रकारिता का मूल विमर्श है । जीवन शैली अब 'लाइफ स्टाइल' में बदल गया है । बाजारवाद के मुख्य हथियार 'विज्ञापन' अब नए-नए रूप धरकर हमें लुभा रहे हैं । नग्नता ही स्त्री स्वातंत्र्य का पर्याय बन गयी है। मेगा माल्स, ऊँची ऊँची इमारतें, डियाइनर कपड़ों के विशाल शोरूम, रातभर चलने वाली मादक पार्टियां और बल्लियों उछलता नशीला उत्साह ।इस पूरे परिदृश्य को अपने नए सौंदयबीध से परोसता, उगलता मीडिया एक ऐसी दुनिया रच रहा है जहाँ बज रहा है सिर्फ देहराग, देहराग और देहराग ।

इन तमाम संकटों के बीच भी स्त्री आज के समय में वह घर और बाहर दोनों स्थानों अपेक्षित आदर प्राप्त कर रही है। वह समाज को नए नजरिये से देख रही है। उसका आकलन कर रही है और अपने लिए निरंतर नए क्षितिज खोल रही है। ऐसी सार्मथ्यशाली स्त्री को शिखर छूने के अवसर देने के बजाए हम उसे बाजार के जाल में फंसा रहे हैं। वह अपनी निजता और सौंदयबीध के साथ जीने की स्थितियां और आदर समाज जीवन में प्राप्त कर सके हमें इसका प्रयास करना चाहिए। हमारे समाज में स्त्रियों के प्रति धारणा निरंतर बदल रही है। वह नए-नए सोपानों का स्पर्श कर रही है। माता-पिता की सोच भी बदल रही है वे अपनी बच्चियों के बेहतर विकास के लिए तमाम जतन कर रहे हैं। स्त्री सही मायने में इस दौर में ज्यादा शक्तिशाली होकर उभरी है। किंतु बाजार हर जगह शिकार तलाश ही लेता है। वह औरत की शक्ति का बाजारीकरण करना चाहता है। हमें देखना होगा कि भारतीय स्त्री पर मुग्ध बाजार उसकी शक्ति तो बने किंतु उसका शोषण न कर सके। आज में मीडियामय और विज्ञापनी बाजार में औरत के लिए हर कदम पर खतरे हैं। पल-पल पर उसके लिए बाजार सजे हैं। देह के भी, रूप के भी, प्रतिभा के भी, कलंक के भी। हद तो यह कि कलंक भी पब्लिसिटी के काम आ रहे हैं। क्योंकि यह समय कह रहा है कि दाग अच्छे हैं। बाजार इसी तरह से हमें रिझा रहा है और बोली लगा रहा है। हमें इस समय से बचते हुए इसके बेहतर प्रभावों को ग्रहण करना है। मीडिया के उजले पक्ष की व्यापक उपस्थिति भी दिखती है। टीवी माध्यम के विस्तार ने युवतियों और महिलाओं को एक नई शक्ति दी है। न्यूज रूम जो प्रिंट मीडिया की शाहंशाही में पुरूषों से भरे थे, अब टीवी मीडिया दौर में न्यूज रूम औरतों की उपस्थिति से ही नई पहचान अर्जित कर रहे हैं। टीवी पर दिखने के अलावा उसके पीछे भी स्त्रियों की एक बड़ी शक्ति ही काम कर रही है।

समूचा परिदृश्य बताता है कि मुख्यधारा के मीडिया में स्त्री के सवाल उस तरह से स्थापित नहीं हो सके हैं जिस परिमाण में स्त्री शक्ति का प्रकटीकरण हुआ है। उसके पूरे चरित्र में आज भी एक असंतुलन है। यह एक मीडिया की नाकामी ही है, जिस पर उसे निरंतर आत्मालोचन की जरूरत है ।1949 में सिमोन द बोवुआर ने अपनी किताब 'द सेकंड सेक्स' में स्थापना दी थी कि 'औरत पैदा नहीं होती बल्कि बनाई जाती है।' उनकी बात आज भी प्रासंगिक है क्योंकि हमारे तमाम भौतिक विकास के बावजूद हम मानसिक और सामाजिक स्तर पर स्त्री को वह जगह नहीं दे पाए हैं जिसकी वह हकदार है। मीडिया भी इससे मुक्त नहीं है क्योंकि वह भी इसी सामाजिक व्यवस्था से खाद-पानी पीकर बनता और प्रभावी होता है।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

मोर गाँव,मोर पानी अभियान ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

पखवाडेभर में 31 हजार से अधिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण, जनजागरूकता, सामुदायिक सहभागिता व श्रमदान बना मिसाल

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

मोर गांव,मोर पानी महाभियान अंतर्गत बलौदा बाजार भाटापारा जिले में जल संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देते हुए अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित आवासों में केवल 15 दिन में 31,066 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। यह उपलब्धि व्यापक जनजागरूकता, सामुदायिक सहभागिता एवं श्रमदान का मिसाल बन गया है।

जनभागीदारी बना जन आंदोलन

कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल के नेतृत्व में मोर गांव, मोर पानी महाभियान 2.0 की शुरुआत जिले में 13 मार्च 2026 से की गई है। इस अभियान के सफल संचालन हेतु तिथिवार कार्यक्रम तय किये गए है। इस उपलब्धि से जल संरक्षण के प्रति जिले की सामूहिक प्रतिबद्धता, जनसहभागिता और सशक्त नेतृत्व परिलक्षित होता है। ग्रामीणों ने स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान किया जिससे अभियान ने एक जन-आंदोलन का रूप ले लिया।

प्रत्येक पीएम आवास की औसत साइज लगभग 300 वर्ग फीट है। इनमे निर्मित रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं वर्षा जल को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अनुमानतः प्रत्येक वर्षा ऋतु में इन संरचनाओं के माध्यम से हजारों लीटर पानी का संग्रहण संभव होगा, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि, जल संकट में कमी तथा स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

वर्तमान के साथ भविष्य भी सुरक्षित

इस पहल से न केवल वर्तमान जल आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, बल्कि भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भी यह एक ठोस कदम है। मोर गांव,मोर पानी अभियान ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब प्रशासन और आमजन एक साथ मिलकर संकल्प लेते हैं तो असंभव भी संभव हो जाता है।

प्रशासन की अपील - जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस जन-आंदोलन से जुड़कर अपने घरों एवं गांवों में अधिक से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाएं तथा 'हर घर जल संचय' के लक्ष्य को साकार करने में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

मसाला क्षेत्र विस्तार योजना : मसाले की खेती ओर बढ़ रहा किसानों का रूझान

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

राज्य सरकार के किसान हितैषी नीतियों एवं किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार उद्यानिकी फसलों के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए सब्सिडी के साथ-साथ प्रशिक्षण एवं तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है ।इसी क्रम में महासमुंद जिले के विकासखंड पिथौरा अंतर्गत ग्राम कसहीबाहरा के प्रगतिशील किसान श्री निरंजन पटेल ने अपनी मेहनत और नवाचार से खेती में अच्छी सफलता प्राप्त की है। श्री निरंजन पटेल बताते हैं कि वे पहले पारंपरिक रूप से धान की खेती करते थे, जिसमें उन्हें अधिक लागत और अपेक्षाकृत कम उत्पादन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था।

वर्ष 2025-26 में उन्होंने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बागवानी मिशन अंतर्गत मसाला क्षेत्र विस्तार योजना के तहत धनिया की खेती अपनाई। उन्होंने अपनी 0 .40 हेक्टेयर पूरी सिंचित भूमि में उन्नत किस्मों कस्तूरी धनिया एवं अंकुर धनिया का उत्पादन प्रारंभ किया। आधुनिक तकनीक के रूप में उन्होंने ड्रिप सिंचाई प्रणाली का उपयोग किया, जिससे जल की बचत के साथ-साथ फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में भी वृद्धि हुई। उद्यानिकी विभाग द्वारा उन्हें 0 .40 हेक्टेयर के लिए 8000 का अनुदान डीबीटी के माध्यम से प्रदान किया गया, जिससे उन्हें प्रारंभिक लागत में राहत मिली। पूर्व में जहां वे धान की खेती से प्रति एकड़ लगभग 21 क्विंटल उत्पादन प्राप्त करते थे और लगभग 30,000 की सीमित आय होती थी, वहीं धनिया की खेती अपनाने के बाद उन्होंने लगभग 35 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त किया। धनिया की खेती से उनकी कुल आय बढ़कर लगभग 50,000 प्रति एकड़ हो गई। श्री पटेल अपनी उपज का विक्रय पिथौरा एवं बागबाहरा मंडियों में करते हैं। वर्तमान में वे अपने कार्य से अत्यंत संतुष्ट हैं। उनकी इस सफलता को देखकर आसपास के अन्य किसान भी उद्यानिकी फसलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं और धनिया जैसी नगदी फसलों को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं।

हिंसा छोड़कर नई दिशा, नई राह की ओर बढ़ रहे कदम, आत्मसमर्पित व नक्सल पीड़ितों को कलेक्टर निलेश कुमार ने सौंपा नियुक्ति पत्र

नई दृष्टिबिंदु / भानुप्रतापपुर

मानव समाज का सबसे उत्कृष्ट पहलू सकारात्मक परिवर्तन है, जिससे जीवन में नवाचार और नए विचार जन्म लेते हैं। ऐसा ही बदलाव आत्मसमर्पित माओवादियों के जीवन में दिखाई दे रहा है। जिला प्रशासन की पहल पर उन्हें पहले प्रशिक्षित किया गया और अब कुशल होने के बाद रोजगार भी मुहैया हो रहा है। आत्मसमर्पित माओवादियों को भानुप्रतापपुर के ग्राम मुल्ला (चौगेल) के कैम्प में विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें पारंगत होने के बाद प्रशासन के प्रयासों से रोजगार भी दिलाया जा रहा है। मुख्यधारा में लौटकर प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार प्रदान करने के मामले में उत्तर बस्तर कांकेर पहला जिला है।

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर और जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी ने कलेक्टर कक्ष में 4 आत्मसमर्पित माओवादी व पीड़ितों को नियुक्ति पत्र सौंपा तथा उन्हें नई शुरूआत के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। इनमें पुनर्वासित सगनूराम आंचला एवं नक्सल पीड़ित रोशन नेताम, बीरसिंह मंडावी और संजय नेताम शामिल थे। इन सभी को निजी फर्म का नियुक्ति पत्र प्रदाय किया गया, जहां 15 हजार रूपए प्रतिमाह मानदेय और अन्य प्रकार की वित्तीय सुविधाएं प्राप्त होंगी। श्री आंचला ने बताया कि शिक्षा और सही-गलत की जानकारी के अभाव में माओवादी संगठन से जुड़ गया था। उन्हांने कहा कि मनुष्य की अहमियत मुख्यधारा में जुड़ने के बाद ही पता चली। जीवन के अलग-अलग रंगों व वास्तविक खुशियों की पहचान अब जाकर हुई। श्री आंचला ने शासन-प्रशासन का आभार मानते हुए कहा कि जीने का असली मकसद अब मिला है।

इसी तरह माओवाद पीड़ित बीरसिंह मंडावी ने कहा कि ग्राम मुल्ला (चौगेल) के कैम्प में पुनर्जीवन मिला है, जहां निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें कुशल एवं पारंगत बनाया गया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद जिला प्रशासन द्वारा रोजगार भी दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर हिंसा का मार्ग छोड़ समाज की मुख्यधारा में लौट रहे हैं। ज्ञात हो कि प्रशिक्षण देकर उन्हें नियोजित करने के मामले में कांकेर बस्तर संभाग का पहला जिला बन गया है। यह शासन की विशिष्ट पहल है, जिसके चलते उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने व तराशने तथा उसे नई दिशा देने की कवायद हो रही है। इस प्रकार शासन की सकारात्मक पहल का प्रत्यक्ष लाभ पुनर्वासितों व पीड़ितों को मिल रहा है।

21 जिलों के निरीक्षण में खामियां उजागर, राज्य खाद्य आयोग ने विभागों को दिए सख्त निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के निरीक्षण में 21 जिलों में संचालित शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में कई कमियां सामने आई हैं। इन खामियों को लेकर आयोग ने सख्ती दिखाते हुए संबंधित विभागों को त्वरित सुधार के निर्देश दिए हैं। आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा की अध्यक्षता में नवा रायपुर स्थित कार्यालय में आयोजित अंतर्विभागीय बैठक में खाद्य, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा और आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई। निरीक्षण में उचित मूल्य दुकानों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलों के मध्यान्ह भोजन और आश्रम-छात्रावासों की व्यवस्था का जायजा लिया गया था।

बैठक में बालक छात्रावासों में भोजन की गुणवत्ता और सामग्री आपूर्ति में सुधार की जरूरत बताई गई, जबकि कन्या छात्रावासों की स्थिति बेहतर पाई गई।21 जिलों से निरीक्षण संबंधी अनुशंसाओं के पालन प्रतिवेदन समय पर नहीं मिलने पर अध्यक्ष ने नाराजगी जताई और शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।आयोग ने निर्देश दिए कि सभी आश्रम-छात्रावासों में दैनिक भोजन मैन्यू और कॉल सेंटर नंबर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाएं, ताकि शिकायत और सुझाव दर्ज किए जा सकें। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति पोषण ट्रैकर में सही दर्ज करने और आकस्मिक निरीक्षण से उसका मिलान करने को कहा गया।

उचित मूल्य दुकानों में अनियमितता पर भी सख्त रुख अपनाते हुए नियमित रूप से दुकान नहीं खोलने, सूचना प्रदर्शित नहीं करने और स्टॉक में गड़बड़ी पाए जाने पर संचालकों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मध्यान्ह भोजन योजना के तहत प्रदेश में संचालित दो केंद्रीकृत किचनों की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। आयोग ने इन किचनों से अधिक से अधिक स्कूलों को जोड़ने की अनुशंसा की है। इसके अलावा छात्रावासों और स्कूलों में भोजन की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए किसी छात्र को मेस प्रभारी बनाने का सुझाव दिया गया। साथ ही सभी संस्थानों में चावल, दाल, सब्जी और खाद्य तेल की निर्धारित मात्रा का प्रदर्शन और उसका पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि अधिकांश जिलों में योजनाएं ठीक चल रही हैं, लेकिन जहां कमियां मिली हैं, वहां जल्द सुधार करना जरूरी है। बैठक में आयोग के सदस्य राजेंद्र महिलांग, कुलदीप शर्मा और सदस्य सचिव राजीव कुमार जायसवाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

खास खबर

विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से सड़क निर्माण के लिए राशि स्वीकृत

नई दृष्टिबिंदु / पंडरिया

विधायक भावना बोहरा के सतत प्रयासों और डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया विधानसभा के गाँव-गाँव समृद्धि और विकास की किरण पहुँच रही है। जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है वहीं हर गाँव को जोड़ती पक्की सड़कें पंडरिया विधानसभा के विकास को नई गति दे रही हैं। इसी कड़ी में बजट 2024-25 एवं 2025-26 के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग द्वारा पंडरिया विधानसभा में 3 बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण व मजबूतीकरण हेतु 14 करोड़ 14 लाख 35 हजार की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति मिली है।

इन सड़कों में प्रधानमंत्री सड़क से जुड़ते हुए ग्राम डेंगुरु जाम से अमनिया मार्ग 3.20 किमी सड़क हेतु 5 करोड़ 79 लाख 19 हजार, भरतपुर-घोघरा मार्ग 3.50 किमी हेतु 6 करोड़ 12 लाख 10 हजार एवं ग्राम महली से नानापुरी तक 3 किमी सड़क मजबूतीकरण हेतु 2 करोड़ 23 लाख 6 हजार की स्वीकृति से क्षेत्रवासियों को सुगम आवागमन, व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और गांव-गांव तक विकास की किरण पहुंचेगी। इन सड़कों के निर्माण से ग्राम डेंगुरु जाम, टेडापानी, अमनिया, भगतपुर, घोघरा, महली और नानापुरी सहित आस-पास के ग्रामवासियों को लाभ मिलेगा।

इन सड़क निर्माण कार्यों हेतु स्वीकृति प्रदान करने के लिए विधायक भावना बोहरा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक ग्राम तक सुरक्षित, सुदृढ़ और सर्व मौसम सड़क संपर्क सुनिश्चित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य और जन-कल्याण को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जाए। बारहमासी सड़क संपर्क से इन बसावटों को बाजार, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, पोषण, आपदा प्रबंधन और दैनिक आवागमन में व्यापक सुविधा मिलेगी। इससे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में तेजी, ग्रामीण आजीविका में वृद्धि और जन-कल्याणकारी सेवाओं तक सुगम पहुँच सुनिश्चित होगी। पंडरिया में सड़क विस्तार केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि विकास की एक व्यापक सोच का हिस्सा है।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में जिस प्रकार पंडरिया विधानसभा को विकास से कोसो दूर रखा गया जनता को उपेक्षित किया गया और विकास के नाम पर केवल भ्रष्टाचार हुए सुशासन की भाजपा सरकार में वही पंडरिया निरन्तर विकास के नए अध्याय लिख रहा है। जनता की मूलभूत व बहुप्रतीक्षित मांगे पूरी हो रही हैं सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, 300 करोड़ से अधिक की सिंचाई परियोजनाओं से किसानों के खेत और जनता के घरों तक पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति हो रही है। पुल-पुलिया निर्माण से अब बारह महीने सड़क कनेक्टिविटी की सुविधा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दे रही है। स्वच्छता, सौन्दर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है। नगरीय निकाय क्षेत्रों में शहरों के तर्ज पर विकास हो रहें हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नालंदा लाइब्रेरी परिसर की स्वीकृति, व्यावसायिक परिसर,मिनी स्टेडियम, नवीन महाविद्यालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उप स्वास्थ्य केंद्र में उन्ननयन, पांडातराई एवं पंडरिया बाइपास, ऐसे कई कार्य व अधोसंरचना निर्माण से हमारा पंडरिया विधानसभा आज एक आदर्श विधानसभा के रूप में अपनी विशेष पहचान स्थापित कर रहा है।

पंजीकृत रकबे के मुताबिक सभी किसानों को मिलेगी समय पर खाद : कृषि मंत्री नेताम

पश्चिम एशियाई संकट के बीच उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने में जुटी सरकार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पश्चिम एशिया में चल रहे अमेरिका - इजराइल और ईरान के बीच तनाव के कारण आयातित उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका के बीच केन्द्र और राज्य सरकार ने किसानों को उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीति तैयार कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशन में छत्तीसगढ़ सरकार ने खरीफ सीजन 2026 के लिए उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु ठोस कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रयासों से आगामी खरीफ सीजन 2026 के लिए छत्तीसगढ़ को केन्द्र सरकार द्वारा 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का लक्ष्य आबंटित हुआ है। वतर्मान में गोदामों एवं समितियों में लगभग 7.48 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है। राज्य सरकार का प्रयास है कि सभी किसानों को पारदशिर्ता के साथ पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद का आबंटन सुनिश्चित हो।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों की वर्चुअल बैठक लेकर राज्यों में उर्वरकों की आपूर्ति, अद्यतन स्टॉक एवं वितरण की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। इस वर्चुअल बैठक में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, राज्य के कृषि एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल रूप से शामिल हुए। समीक्षा बैठक के दौरान कृषि मंत्री श्री नेताम ने जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ को भारत सरकार द्वारा खरीफ सीजन -2026 के लिए कुल 15 लाख 55 हजार मीट्रिक टन उर्वरक का लक्ष्य आवंटित किया गया है, जिसमें यूरिया 7.25 लाख, डीएपी 3 लाख, एमओपी 80 हजार, एनपीके 2.5 लाख तथा एसएसपी 2 लाख मीट्रिक टन शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में अभी 7.48 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध

मंत्री श्री नेताम ने बताया कि 30 मार्च 2026 की स्थिति में राज्य में कुल 7.48 लाख मीट्रिक टन उर्वरक स्टॉक में मौजूद है, जिसमें यूरिया 2,43,717 मीट्रिक टन, डीएपी 1,05,631 मीट्रिक टन, एनपीके 1,69,109 मीट्रिक टन, एमओपी 50,431 मीट्रिक टन और एसएसपी 1,78,657 मीट्रिक टन इस तरह कुल 7.48 लाख मीट्रिक टन खाद स्टॉक में मौजूद है।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि पश्चिमी एशियाई संकट के चलते रासायनिक उर्वरकों की संभावित कमी को देखते हुए विभाग द्वारा किसानों को वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके तहत एनपीके 12:32:16, 20:20:0:13, हरी खाद, जैविक खाद और नैनो उर्वरकों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की अनुशंसा के आधार पर सहकारी समितियों और निजी विक्रय केंद्रों में किसानों के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जल्द शुरू होगी ई-उर्वरक वितरण प्रणाली

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि किसानों को वास्तविक रकबे के हिसाब से खाद मिले, इस उद्देश्य से राज्य में जल्द ही ई-उर्वरक वितरण प्रणाली लागू की जाएगी। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप के माध्यम से किसानों को उनकी फसल के रकबे के अनुसार अनुशंसित उर्वरक नजदीकी विक्रय केंद्रों से मिलेगी। आवश्यकता से अधिक मांग की स्थिति में मैदानी जांच के आधार पर अतिरिक्त आपूर्ति भी सुनिश्चित की जाएगी।

कालाबाजारी और जमाखोरी पर कड़ी निगरानी

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार ने उर्वरकों की कालाबाजारी और जमाखोरी पर रोक लगाने के लिए जिला स्तर पर उड़नदस्ता दल और निगरानी समितियों के गठन के निर्देश दिए हैं। किसी भी स्तर पर उर्वरकों में गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कानूनी कायर्वाही की जाएगी।

उत्पादन नहीं होगा प्रभावित

मंत्री श्री नेता ने कहा कि केन्द्र और राज्य के समन्वित प्रयासों से तथा वतर्मान वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किसानों को समय पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि खरीफ सीजन में उत्पादन प्रभावित न होने पाए।

बस्तर संभाग से तेलंगाना व अन्य प्रांतो में प्रवासित परिवारों के लिए पुर्नवास के लिए बनेगी कार्ययोजना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर संभाग के ऐसे विस्थापित परिवार जो किन्ही कारणों बस्तर संभाग के सीमावर्ती तेलंगाना एवं आन्ध्रप्रदेश में प्रवासित है, ऐसे परिवारों के पुर्नवास की कायर्योजना बनायी जा रही है। मंत्रालय महानदी भवन में अपर मुख्य सचिव गृह मनोज कुमार पिंगुआ की अध्यक्षता में पुर्नवास हेतु गठित राज्य स्तरीय अंतविर्भागीय समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ से विस्थापित परिवारों के पुर्नवास के संबंध में कार्ययोजना तैयार करने विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में बताया गया कि आयोग द्वारा एक माह के भीतर सर्वे कर प्रवासित परिवारों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके परिपालन में बस्तर संभाग के संभागायुक्त द्वारा एक समयबद्ध कार्यक्रम के तहत कलेक्टर दंतेवाड़ा, सुकमा एवं जिला बीजापुर को प्रवासित परिवारों के सर्वे किया जाकर 15 दिन के भीतर प्रतिवेदन प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सर्वे अनुसार जिला दंतेवाड़ा से तेलंगाना प्रदेश के 60 ग्राम में 618 परिवार के 2654 व्यक्ति एवं जिला सुकमा से तेलंगाना प्रदेश के 293 ग्राम में 2733 परिवार के 12026 व्यक्ति तथा जिला बीजापुर से तेलंगाना प्रदेश के 114 ग्राम में 994 परिवार के 5029 व्यक्ति प्रवासित है। इस तरह छत्तीसगढ़ राज्य के उक्त तीनो जिला से तेलंगाना राज्य के 467 ग्राम में 4345 परिवार के 19709 व्यक्ति प्रवासित है।

इसी तरह जिला दंतेवाड़ा से आंध्रप्रदेश के 25 ग्राम में 125 परिवार के 568 व्यक्ति एवं जिला सुकमा से आंध्रप्रदेश के 155 ग्राम में 2462 परिवार के 10787 व्यक्ति तथा जिला बीजापुर से आंध्रप्रदेश के 04 ग्राम में 07 परिवार के 34 व्यक्ति प्रवासित है। इस तरह से छत्तीसगढ़ राज्य के उक्त तीनो जिला से आंध्रप्रदेश राज्य के 184 ग्राम में 2594 परिवार के 11389 व्यक्ति प्रवासित है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ राज्य के जिला दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर के 667 ग्राम से तेलंगाना एवं आंध्रप्रदेश राज्य के 651 ग्राम में 6939 परिवार के 31098 व्यक्ति प्रवासित है।

बैठक में अपर मुख्य सचिव पिंगुआ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बस्तर संभाग डोमन सिंह एवं पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज से चर्चा कर अन्य प्रांतों में प्रवासित परिवारों के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए एक बार और सीमावर्ती राज्यों के अधिकारियों से सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर लें। इसी तरह से श्री पिंगुआ ने कलेक्टर दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा से कहा है कि वे अपने-अपने जिलों से अन्य प्रांतों में प्रवासित लोगों के बारे में उनके मूल ग्राम एवं निवास स्थान से आवश्यक जानकारी तैयार कर लें। जिससे पुनर्वास योजना बनाने आसानी होगी। इसी तरह से पुनर्वास योजना बनाने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देशित दिए गए है कि वे शीघ्र ही अपने-अपने विभागों के नोडल अधिकारी नियुक्त कर दें, जिससे शीघ्र पुर्नवास योजना बनाने में आसानी होगी। वीडियो कॉन्फ्रेंस में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, गृह विभाग की सचिव नेहा चम्पावत, आईजी बस्तर सुन्दरराज, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह सहित कलेक्टर दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा शामिल हुए।

भोथीपार खुर्द नया पारा में धुमधाम से मना हनुमान जन्मोत्सव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

समीपस्थल ग्राम भोथीपार खुर्द नया पारा में राजाराम मेझ प्रोडक्ट के पास हमाल एवं मजदूर संघ द्वारा सन 1983 में विराजित हनुमान जी मंदिर में 1 अप्रेल से 2 अप्रेल को जन्म उत्सव धुमधाम मनाया गया।

1 अप्रेल को आदर्श मानस परिवार ढोडिया 2 अप्रेल को राम भक्त हनुमान जी जन्मदिन अवसर पर पुजा अचर्ना कर अमिन माता सेवा भजन महिला मंडली भोथीपार खुर्द नया पारा शिव संगम मानस मंडली भोथीपार खुर्द पुराना पारा तुलसी साहित्य मानस परिवार सुरगी ने हनुमान जी रामचरित मानस में श्री हनुमान जी बखान किया और श्रोताओं को भक्तिमय माहौल रहा। इस कार्यक्रम में पुजारी गजाधर यादव, दिलीप विश्वकर्मा, विक्रम साहू, दुर्गेश पटेल, टुमेश साहू, ओमेश यादव, गोपाल साहू, ऐकेश साहू, चम्पा साहू, मगन साहू, योगेन्द्र दास वैष्णव, केशव साहू, अशोक साहू व दिनदयाल यादव सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

बस्तर संभाग में प्रशासन की पहल से गाँव-गाँव तक पहुँच रही राहत

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

राज्य शासन द्वारा आम नागरिकों की राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से संचालित राजस्व पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत बस्तर संभाग में प्रशासनिक गतिविधियों ने गति पकड़ ली है। इस पहल के माध्यम से प्रशासन सीधे गाँवों तक पहुँचकर लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित कर रहा है, जिससे आमजन को बड़ी राहत मिल रही है।

इसी क्रम में बुधवार को बस्तर संभाग के कमिश्नर डोमन सिंह ने जगदलपुर तहसील के ग्राम आड़ावाल एवं नानगुर तहसील के ग्राम साड़गुड़ में आयोजित विशेष राजस्व शिविरों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी राजस्व प्रकरणों का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकतम प्रकरणों का निराकरण शिविर स्थल पर ही सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

श्री सिंह ने विशेष रूप से अविवादित नामांतरण एवं बंटवारा के लंबित प्रकरणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इनके समय-सीमा में निराकरण पर जोर दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत बैठकों के माध्यम से ऐसे प्रकरणों का मौके पर ही समाधान किया जाए। साथ ही नक्शा बटांकन के कार्य को प्राथमिकता देते हुए इसे शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने प्रत्येक भूमि स्वामी के खातों में आधार एवं मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए, जिससे किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सीधे प्राप्त हो सके। इसके अतिरिक्त, उन्होंने आरबीसी 6-4 के अंतर्गत लंबित राहत प्रकरणों के त्वरित निराकरण तथा खसरा एवं बी-1 जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों का मौके पर ही वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्री सिंह ने पंचायत पदाधिकारियों, पटेल-कोटवार एवं ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित कर पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता, उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न वितरण, विद्यालयों में शिक्षकों की पदस्थापना तथा सचिव-पटवारी सहित मैदानी अमले की कार्यप्रणाली की जानकारी भी ली। राजस्व पखवाड़ा के माध्यम से प्रशासन की यह पहल न केवल राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण में सहायक सिद्ध हो रही है, बल्कि शासन और आम जनता के बीच संवाद एवं विश्वास को भी सुदृढ़ कर रही है।

योजना का बेहतर क्रियान्वयन ग्रामीण परिवारों को रोजगार देने में कबीरधाम जिला सबसे आगे

मनरेगा योजना के अलग-अलग पैरामीटर्स पर जिले ने हासिल की कई उपलब्धियां

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत कबीरधाम जिले ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना का बेहतर क्रियान्वयन कर कई उपलब्धियां हासिल करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में कबीरधाम जिले ने ग्रामीणों को सर्वाधिक मानव दिवस का रोजगार देने, सर्वाधिक परिवारों को रोजगार, सर्वाधिक दिव्यांग जनों को रोजगार देने सहित अनेको पैरामीटर पर कई उपलब्धियां अपने नाम की। उपमुख्यमंत्री द्वारा लगातार विभागीय समीक्षाओं के दौरान शासकीय योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित करने प्रोत्साहित किया जाता रहा है। और आज इसी का परिणाम है कि कबीरधाम जिले ने मनरेगा योजना के क्रियान्वयन में बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में एक बार फिर अपना नाम प्रथम पंक्ति में स्थापित किया है।

मनरेगा योजना के पैरामीटर्स जिसमें कबीरधाम ने जो उपलब्धि हासिल की है उसमें सर्वाधिक मानव दिवस रोजगार का सृजन- जिले के ग्रामीणों को 5854040 मानव दिवस का रोजगार मिला। जो प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। सर्वाधिक ग्रामीण परिवारों को रोजगार- जिले के 142482 ग्रामीण परिवारों को रोजगार मिला, जो प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। सर्वाधिक दिव्यांग जनों को रोजगार- जिले में 2538 दिव्यांग जनों को 58493 मानव दिवस का रोजगार दिया गया। जो प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। ग्रामीण महिलाओं को भी मिला रोजगार का बेहतर अवसर- योजना अंतर्गत 130160 महिलाएं पंजीकृत है और इन्हें 2933959 मानव दिवस का रोजगार मिला है। महिलाओं को रोजगार देने के मामले में कबीरधाम जिला पूरे प्रदेश में तीसरे स्थान पर है। 124 करोड़ 53 लाख से अधिक का मजदूरी भुगतान- मनरेगा में रोजगार पाने वाले जिले के ग्रामीणों को 124 करोड़ 53 लाख 46 हजार रुपए का मजदूरी भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में जारी किया गया। मजदूरी भुगतान के मामले में कबीरधाम जिला प्रदेश में तीसरे स्थान पर है। ग्रामीणों को मिला मजदूरी भुगतान से उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कलेक्टर कबीरधाम गोपाल वर्मा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा ग्रामीणों को रोजगार देने के लिए निरंतर समीक्षा की गई। हमारे द्वारा ग्राम पंचायतो की मांग पर बहुत से निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए और कार्य प्रारंभ कर ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। वनांचल क्षेत्र से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक बड़ी मात्रा में निर्माण कार्य चल रहे हैं। समय पर मजदूरी भुगतान हो सुनिश्चित किया गया। वतर्मान में ग्रामीणों के लिए पर्याप्त मात्रा में रोजगार उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 11466 परिवारों को 100 दिवस का रोजगार मिला है और वे आर्थिक रूप से लाभान्वित हुए है। हमारा सतत प्रयास है कि मनरेगा योजना से समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को लाभान्वित किया जाए। जल संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन एवं आजीविका जैसे प्रमुख घटकों के क्षेत्र में योजना से पर्याप्त कार्य हो रहे है।

सीईओ अभिषेक अग्रवाल ने बताया की ग्रामीणों के मांग पर रोजगार उपलब्ध कराना, समय पर निर्माण कार्य की स्वीकृति एवं सभी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो इन बातों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इसीलिए जिले के सभी क्षेत्रों में ग्रामीणों को पर्याप्त रोजगार मिला और हम प्रदेश में बेहतर कर पाए। आजीविका डबरी, नया तालाब निर्माण, कच्ची नाली निर्माण, पुराने तालाबों का गहरीकरण जैसे अनेक जल संरक्षण के कायी के साथ आजीविका के लिए कुकुट पालन शेड, पशुपालन शेड जैसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया गया है। मार्च माह के अंतिम सप्ताह में प्रारंभ हुए नए कार्यों से जिले की उपलब्धि और बढ़ेगी तथा हमारे ग्रामीणों को और अधिक लाभ होना अपेक्षित है।

उल्लेखनीय है महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से ग्रामीणों को बड़ी मात्रा में रोजगार का अवसर मिलता है। योजना से ग्रामीणों को रोजगार के साथ गांव में विभिन्न परिसंपत्तियों का निर्माण होता है। योजना के क्रियान्वयन में कबीरधाम जिला लगातार कई वर्षो से प्रदेश में अग्रणी बना हुआ है ग्रामीणों को इसका लाभ मिल रहा है।

गर्मी में रखें अपनी आंखों को सुरक्षित

पूरे भारत में गर्मी का हाल बेहाल है। बढ़ती गर्मी के कारण व्यक्ति कई प्रकार की बीमारियों का शिकार हो रहा है। इनमें मुख्य है त्वचा सम्बन्धी रोग और दूसरा है नेत्र सम्बन्धी रोग। दिन-ब-दिन तापमान बढ़ता जा रहा है और भीषण गर्मी असहनीय होती जा रही है। ऐसे में लोग गर्मी से अपना बचाव करते हैं। हम अपने शरीर को ऊपर से नीचे तक कपड़े और सनस्क्रीन से ढक सकते हैं, लेकिन हमारी आंखों को हम सुरक्षित नहीं कर पाते। गर्मी की वजह से शरीर से ज्यादा तकलीफ हमारी आँखों को होती है। आंखें न केवल हानिकारक यूवी किरणों के सम्पर्क में आती हैं बल्कि गन्दगी, प्रदूषण से भी प्रभावित होती हैं। हम कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं जिनका उपयोग करके वे अपनी आँखों को इस भीषण गर्मी में संक्रमित होने से बचा सकते हैं।

धूप का चश्मा

जिस तरह आप अपने शरीर को कपड़ों से ढकते हैं, दस्ताने से लेकर टोपी तक, उसी तरह आपकी आंखों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। अपने घर से बाहर निकलते समय, यूवी किरणों को सीधे अपनी आंखों में प्रवेश करने से रोकने के लिए आपको सन ग्लास अर्थात धूप का चश्मा अपनी आँखों पर लगाना चाहिए।

कम से कम 8 घंटे सोएँ

गर्मी के दिनों में प्रयास करके अपनी आंखों को पूरा आराम दें। इसके लिए जरूरी है कि आप कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें। आठ घंटे की नींद लेने न केवल आपकी आँखें पूरी तरह से सुरक्षित रहती हैं अपितु यह आपके शरीर को भी पूरा आराम प्रदान करता है। साथ ही आपके इम्युनिटी पावर को भी बरकरार रखता है।

ठंडे पानी से आंखें धोएं

अपनी आंखों को ठंडा रखने के लिए उन्हें ठंडे पानी से बार-बार धोने की कोशिश करें। ठंडा पानी आंखों से गर्मी को दूर करने में मदद करता है और उन्हें बेहतर महसूस कराता है।

अपनी आंखों को लुब्रिकेट करें

हमारी आंखें नमी खो देती हैं और सूखी और खुजलीदार हो जाती हैं। ऐसे में ढेर सारा पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखना चाहिए। जो लोग ऑफिस में लगातार कम्प्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं उन्हें अपनी आँखों को लेकर संजीदगी बरतनी चाहिए। उन्हें कम्प्यूटर पर काम शुरू करने से पहले अपनी आँखों को आई ड्रॉप्स से धोना चाहिए। आठ से दस घंटे लगातार कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों को ऐसा कम से कम 3 बार करना चाहिए। आँखों में आई ड्रॉप्स डालने से आँखों की चिकनाई बरकरार रहती है।

सनस्क्रीन का प्रयोग करने से बचें

अधिकांश युवा अपने चेहरे को सन स्क्रीन से बचाने के लिए क्रीम का प्रयोग करते हैं। इस क्रीम को लगाते वक्त वे उसको पलकों और भौंह पर भी लगा देते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं तो यह गलत है। आपको अपनी पलकों या आँखों पर सनस्क्रीन लगाने से बचाव करना चाहिए, क्योंकि इससे वे लाल और खुजलीदार हो सकते हैं।

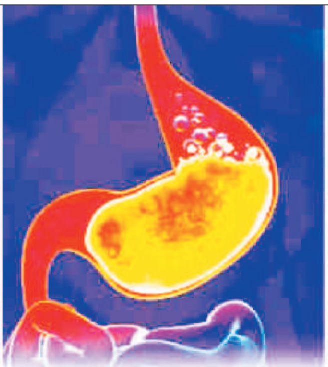

गैस और एसिडिटी की दवाएं बंद करें, आजमाएं ये आयुर्वेदिक नुस्खे

अगर आप गैस और एसिडिटी जैसी समस्या के लिए दवाएं खा रहे हैं, तो इसे एकदम बंद कर दें, यह शरीर के पोषक तत्वों को खत्म कर सकती हैं।

एसिडिटी और गैस बनना आम समस्याएं हैं, जिनसे रोजाना बहुत से लोग परेशान रहते हैं। अगर आप इससे राहत पाने के लिए पैन्टोजेन जैसी कोई दवाएं ले रहे हैं, तो आप बड़ी गलती कर रहे हैं। इनके अधिक सेवन से आपके शरीर में विटामिन बी12, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन डी सहित कई सारे पोषक तत्वों की कमी आ सकती है जिससे शरीर में इनके कई प्रभाव देखने को मिलते हैं। इन दवाओं के अधिक सेवन से शरीर में कमजोरी होना, थकान, कमजोरी और ऊर्जा की कमी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। अगर आप एसिडिटी सहित पेट की अन्य समस्याओं जैसे अपच, सीने में जलन, एसिड रिफ्लक्स, कब्ज, पेट फूलना आदि से राहत पाना चाहते हैं, तो आपको दवाओं पर डिपेंड होने की बजाय कुछ घरेलू उपाय आजमाने चाहिए।

एसिडिटी के लक्षण

- सीने में जलन होना, खासकर खाने के बाद, जो रात में या लेटते समय बदतर हो सकती है
- भोजन या खट्टे तरल पदार्थ वापस आना
- ऊपरी पेट या सीने में दर्द
- निगलने में परेशानी
- पेट फूलना और भारीपन

कच्चा जीरा है एसिडिटी का तगड़ा इलाज

एसिडिटी से राहत पाने के लिए आप जीरे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप खाने से पहले थोड़ा सा कच्चा जीरा चबाएं और थोड़ा गुनगुना पानी पी लें, जब तक वो चबना जाए।

ठंडा दूध

बहुत थोड़ी मात्रा में ठंडा दूध लें और उसमें आधा चम्मच गुलकंद मिक्स कर दें। इस मिश्रण को लेने से आपको एसिडिटी को बिना दवाओं के ठीक करने में मदद मिल सकती है।

एंटासिड से हो जाएं सावधान

सुबह खाली पेट एसिड की दवाएं लेना आपकी सेहत को बर्बाद कर सकता है। बाजार में एंटासिड दवाएं धड़ल्ले से बिक रही हैं जोकि आपकी सेहत के लिए खतरनाक हैं। इनमें सोडियम कार्बोनेट होता है, जो शरीर के पोषक तत्वों को पी जाता है।

आपको डॉक्टर के पास कब जाना चाहिए

अगर आपको यह उपाय आजमाने के बाद भी आराम नहीं मिल रहा और लक्षण बिगड़ते जा रहे हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसके अलावा आपको सांस लेने में तकलीफ हो, या जबड़े या बांह में दर्द हो रहा है, तो सावधान रहें क्योंकि यह दिल का दौरा पड़ने के संकेत और लक्षण हो सकते हैं।

पके कटहल को करें डाईट में शामिल

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

दिल की बीमारी के खतरे को कम करता है किचन में रखा ये तेल

सरसों को तेल हमारे किचन में बहुत आसानी से उपलब्ध होता है और यह हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा भी होता है। लेकिन क्या आपको यह पता है कि यह हमारे हार्ट हेल्थ के लिए कितना अच्छा है। सरसों के तेल की खासियत बहुत कम लोगों को पता है। सरसों का तेल विटामिन, मिनरल्स, कैल्शियम और आयरन जैसे तत्वों से भरपूर होता है, जो आपको सेहतमंद रखने में मदद करते हैं। यह आपके हार्ट के लिए कैसे अच्छा और इसके फायदे क्या है।

अल्फा-लिनोलेनिक एसिड

सरसों के तेल में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड पाया जाता है, जो एक प्रकार का ओमेगा-3 फैटी एसिड है और यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। आमतौर पर यह हृदय रोगों को नियंत्रित करने में मदद करता है।

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करता है

सरसों के तेल के प्रत्येक 100 ग्राम में करीब 60 से 70 प्रतिशत मोनोअनसैचुरेटेड फैट होता है, जो कि गुड फैट है और कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करने में मदद करता है । यह हार्ट डिजीज के रिस्क को भी कम करता है।

हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा है

रिसर्च गेट में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, सरसों के तेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो हृदय की सेहत को सुरक्षित रखने मदद कर सकते हैं। इन तत्वों के नियमित सेवन से हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

इन्फ्लेमेशन को कम करना

सरसों के तेल में एंटी-इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टी के गुण भी होते हैं, जो शरीर में होने वाले किसी भी प्रकार के इन्फ्लेमेशन को कम कर सकते हैं। यह हृदय संबंधी समस्याओं के रिस्क को कम करने में मदद करता है।

इम्युनिटी स्ट्रांग होती है

सरसों के तेल में मौजूद विटामिन और खनिज तत्व शरीर को मजबूत बनाते हैं। जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और हार्ट सहित कई बीमारियों के होने का खतरा और भी कम होता है।

गर्मी में पीजिए ये ड्रिंक्स

इंसान भले घर में हो या घर से बाहर लेकिन गर्मी में थकान, सिर दर्द, सुस्ती, नींद आना आम बात है। हालांकि इन सभी क्रियाओं का असर काम पर भी पड़ता है और पूरा दिन ऐसे ही गुजर जाता है। लेकिन कुछ समर ड्रिंक्स है जिन्हें आप कभी भी पी सकते हैं, इससे आपके अंदर तरावट भी बनी रहेगी और आलसीपन भी नहीं रहेगा। तो आइए जानते हैं समर टॉप 5 ड्रिंक्स के बारे में

छाछ- जी हां, गर्मी के साथ ही कोरोना वायरस के लिहाज से यह काफी सेहतमंद है। खाना खाने के बाद आप इसे कभी भी पी सकते हैं। इससे गर्मी में पाचन तंत्र भी अच्छा होता है और टेस्ट में भी स्वादिष्ट होती है। हालांकि छाछ और दही का कभी भी शाम 5 बजे के बाद सेवन नहीं करना चाहिए।

कैरी पना- गर्मी में कैरी का पना पीने से लू नहीं लगती है। खट्टा होने के कारण यह इम्युनिटी बढ़ाने के लिहाज से काफी अच्छा पेय है। बेहतर होगा खट्टे फलों का सेवन रात को नहीं करें। खाना खाने के बाद इसे पीने से पाचन तंत्र अच्छा रहता है और शरीर में तरावट भी बनी रहती है।

ठंडाई- जी हां, बाजार में इसका पैकेट आसानी से उपलब्ध हो जाता है और आप चाहे तो घर पर भी बना सकते हैं। घर पर बनाने के लिए आपको खस के दानों को 3 से 4 घंटे पहले भिगोना है। पहले उसे अच्छे से मिक्सर में पीस लें। उसके साथ थोड़ी से काली मिर्च भी मिक्स कर दें। पीसने के बाद वह पेस्ट दूध में मिक्स कर दें। आपकी ठंडाई तैयार है। इसे पीने से भूख भी कम लगती है और शरीर में भी ठंडक पहुंचती है।

आंवले का शरबत- जी हां, गर्मी में आंवले का शरबत पीने से एकदम ताजगी महसूस होती है। यह विटामिन की कमी को भी पूरा करता है। आंवले का शरबत आंख और बालों के लिए भी फायदेमंद है।

बेल का शरबत- गर्मी में ठंडक और तंदुरुस्ती बनाए रखने के लिए बेल का शरबत सबसे अधिक कारगर है। इसमें मौजूद विटामिन सी, पोटेशियम, कैल्शियम सहित अन्य पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह इम्युनिटी भी बढ़ाता है।

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए अपनाए ये घरेलू उपाय

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है। नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायोंको करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल करें तेजपत्ता

तेजपत्ते का इस्तेमाल केवल खाने में डालने तक ही सीमित नही हैं। कई लोगों को ये जानकर हैरानी हो सकती है कि तेजपत्ते के इस्तेमाल से आप अपनी त्वचा व बालों को भी फायदा पहुंचा सकते हैं। आइए, जानते हैं कि किस तरह से आप तेजपत्ते को अपनी सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

- चेहरे पर दाग, धब्बे या मुहांसे होने पर तेजपत्ता काफी लाभदायक होता है। तेजपत्ते का लेप या फिर तेजपत्ता डालकर उबाले गए पानी से चेहरा धोना, चेहरे को साफ और बेदाग बनाए रखने में मदद करता है।
- तेजपत्ते का पानी सूर्य की किरणों से प्रभावित त्वचा को भी ठीक करने में मदद करता है, और त्वचा की रंगत को समान बनाए रखने में मदद करता है।
- बालों को नर्म, मुलायम और चमकदार बनाए रखने के लिए तेजपत्ते का उपयोग बेहद असरकारक होता है। आप चाहें तो इसे तेल में डालकर उस तेल को बालों की जड़ों में लगा सकते हैं, या फिर इसके पानी से बालों को धो सकते हैं।
- तेजपत्ते का लेप बनाकर बालों में लगाने से रूसी की समस्या से निजात मिल सकती है। इसे लेप को दही में मिलाकर भी लगाया जा सकता है, ताकि सिर की त्वचा में नमी बनी रहे और पोषण भी मिले।
- तेजपत्ते को सुखाकर उसके पाउडर को मंजन की तरह इस्तेमाल करना, दांतों की सफेदी और चमक बरकरार रखने में कारगर है। आप चाहें तो इसे सप्ताह में एक दिन आजमा सकते हैं।
- अगर किसी को काफी समय से कमर दर्द हो, तो इस काढ़े को पीने से जल्दी आराम मिलता है। आप चाहें तो कमर पर तेजपत्ते के तेल से मालीश भी कर सकते है।
- शीत लहर से होने वाले शारीरिक दर्द को भी ये काढ़ा दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आप 10 ग्राम तेजपत्ता, 10 ग्राम अजवायन और 5 ग्राम सौंफ को एक साथ पीसकर मिश्रण तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को 1 लीटर पानी में डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। जब पानी उबलने के बाद 100-150 मिलीलीटर बच जाए तो गैस बंद कर दें। कुछ देर बाद जब ये मिश्रण ठंडा जाएगा तो आपका काढ़ा पीने के लिए तैयार है।
- अगर कही पर मोच आ गई हो, तो सूजन और दर्द से राहत देने में तेजपत्ते का काढ़ा सहायक होता है। आप चाहें तो तेजपत्ता को पीसकर उसका लेप भी दर्द वाली जगह पर लगा सकते हैं इससे भी राहत मिलती है।
- अगर नसों में सूजन हो या नसों में खिंचाव, तो भी तेजपत्ते का काढ़ा आराम पहुंचाता है।

विभिन्न मुद्दों को लेकर इस्पात मजदूर संघ ने बीएसपी प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन, समस्या से कराया अवगत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

3 अप्रैल को महाप्रबंधक इंचार्ज पर्सनल एचआर विभाग के जेएन ठाकुर से भिलाई इस्पात मजदूर संघ यूनियन के महामंत्री चन्ना केशवलू के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने मिलकर ज्ञापन सौंपा । भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों हो रहे परेशानियों से अवगत कराया। इस्पात क्लबों के आंबटन को संयंत्र के कर्मचारियों के लिए सरल बनाने के लिए वर्तमान में कर्मचारियों को क्लब की सुविधाओं के आबंटन हेतु अपनाई जा रही प्रक्रिया। अपेक्षाकृत जटिल एवं समय लेने वाली है, जिसके कारण कर्मचारियों को अनावश्यक असुविधा का सामना करना पड़ता है।

अतः निवेदन है कि क्लब के आबंटन की प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाने हेतु निम्नलिखित सुझावों पर विचार किया जाए। संयंत्र के नियमित कर्मचारियों को क्लब के बिना सदस्य होने पर भी क्लब का आंबटन किया जाए ,कमर्चारी क्लब के आंबटन के पश्चात क्लब का सदस्य स्वयं बन जाता है। आवश्यक दस्तावेजों की संख्या को न्यूनतम किया जाए। पात्रता मानदंड को स्पष्ट एवं पारदर्शी बनाया जाए। स्वीकृति की समय-सीमा निर्धारित की जाए ताकि प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण हो सके। संबंधित जानकारी क्लबों के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों को समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए।

कर्मचारियों को वैवाहिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए भिलाई क्लब, स्टील कलब एवं भिलाई होटल को आबंटित करने की स्वीकृति प्रदान करें । SESBF खाते की राशि अपडेट ना होने की वजह से कम राशि दिखाई गई है इसे प्रबंधन द्वारा एक माह में दुरुस्त किया जाएगा। कर्मचारियों को इससे भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। संयंत्र के मेडिकल स्वास्थ्य ऐप में कनेक्टिविटी की समस्या तथा कर्मचारियों का मोबाइल अपडेट करने हेतु सेक्टर 9 अस्पताल जाने की बाध्यता खत्म कर सम्बंधित कार्मिक विभाग में ही इसे किया जाए ।

कमेयोगी ऐप की भाषा को हिंदी में परिवर्तित करने की मांग की गई जिसे प्रबंधन द्वारा तत्काल संज्ञान में लेकर उचित कायर्वाही करने का आश्वासन दिया । इन मुद्दों के सुधारों से न केवल कर्मचारियों को सुविधा होगी, बल्कि प्रशासनिक कार्यप्रणाली भी अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनेगी।

भिलाई इस्पात मजदूर संघ प्रबंधन से मांग करता है कि उपरोक्त बिंदुओं पर आवश्यक कायेवाही करें। ज्ञापन देने वालों में संघ की ओर से महामंत्री चन्ना केशवलू , उपाध्यक्ष मृगेंद्र कुमार, जगजीत सिंह, संयुक्त महामन्त्री प्रदीप कुमार पाल, अनिल गजभिये, कोषाध्यक्ष रवि चौधरी उपस्थित थे ।

खास खबर

पेट्रोल की कीमतों में कमी की बजाय और बढ़ोतरी, राहत की बात हास्यास्पद : मुकेश चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती को भाजपा नेताओं द्वारा केंद्र सरकार का ऐतिहासिक फैसला बताएं जाने को भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने हास्यास्पद कहा है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से पेट्रोल के दाम में कमी तो नहीं आई बल्कि 1 अप्रैल से इसमें और बढ़ोतरी कर दी गई है। आम जनता को इससे कोई राहत नहीं मिली है इसके विपरीत उसकी जेब और काटी जा रही है।

श्री चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव सहाय सहित अन्य भाजपा के नेता केंद्र सरकार के जिस फैसले का गुणगान कर रहे हैं उसकी जमीनी हकीकत कुछ और ही है। एक्साइज ड्यूटी में 10 रु की कटौती जरूर की गई है लेकिन इसका फायदा तेल कंपनियों को मिला है। आम उपभोक्ता या जनता को कोई राहत नहीं मिली है। 1 अप्रैल से पेट्रोल डीजल की कीमत में और इजाफा कर दिया गया है। श्री चंद्राकर ने कहा कि केंद्र सरकार का यह फैसला सिर्फ दिखावा है और वाहवाही लूटने का प्रयास है। वास्तविकता यह है की आम जनता के साथ धोखा किया गया है। श्री चंद्राकर ने कहा कि न केवल पेट्रोल बल्कि वर्तमान में गैस सिलेंडर को लेकर आम जनता में त्राहि-त्राहि मची हुई है। लेकिन आम जनता को राहत देने की बजाय भाजपा के नेता गलत बयानबाजी कर रहे हैं। वास्तविकता सबके सामने है, गैस एजेंसियों के सामने सिलेंडरों की लंबी-लंबी कतारे लगी हैं। ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा बेकार हो चुकी है, कोई जवाबदेही लेने को तैयार नहीं है। आम जनता घंटों धूप में खड़ी है, परेशान है, हलकान है लेकिन उनकी समस्या कैसे दूर होगी उस पर बात करने को कोई तैयार नहीं है।

आम जनता को राहत दिलाने सड़क पर उतरेगी कांग्रेस

श्री चंद्राकर ने कहा कि इसके विपरीत यदि कांग्रेस इस मुद्दे को उठा रही है तो यह आरोप लगाया जा रहा है कि हम समस्या को बढ़ा चढ़ा कर दिखा रहे हैं। श्री चंद्राकर ने कहा कि पेट्रोल और गैस सिलेंडर से होने वाली परेशानियों को लेकर कांग्रेस जल्द ही सड़क पर उतरेगी। इसके लिए धरना प्रदर्शन किया जाएगा और आम जनता को राहत दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

छग पुलिस में बड़ा फेरबदल, 30 अधिकारियों के तबादले

रायपुर। पुलिस मुख्यालय ने राज्यभर में तैनात अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए हैं, जिसके तहत कुल 30 पुलिसकमियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी सूची के अनुसार इस फेरबदल में 29 निरीक्षक स्तर के अधिकारी और एक उप निरीक्षक शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में पुलिस विभाग में एक बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। पुलिस मुख्यालय ने राज्यभर में तैनात अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए हैं, जिसके तहत कुल 30 पुलिसकमियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

छग में नया शराब घोटाला के आरोप तेज, पूर्व गृहमंत्री कंवर ने केंद्र से जांच कराने उठाई मांग

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव-रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक बार फिर शराब कारोबार और आबकारी व्यवस्था को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार के दौरान सामने आए कथित शराब घोटाले की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि अब वर्तमान व्यवस्था पर उससे भी चार कदम आगे होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

बताया जा रहा है कि ननकीराम कंवर ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि राज्य में शराब कारोबार केवल राजस्व या लाइसेंसिंग का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह ह्लसत्ता, सिस्टम और सिंडिकेटह्व के त्रिकोण में फंस गया है। उनके अनुसार, आबकारी नीति, आपूर्ति, दुकानों का संचालन, स्टाफ व्यवस्था और संबंधित अनुबंधों पर एक खास नेटवर्क का प्रभाव बढ़ा है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र एजेंसी से आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। ऐसे में मामला राजनीतिक आरोपों से आगे बढ़कर जांच और जवाबदेही का विषय बन गया है।

कंवर के आरोपों का सबसे गंभीर हिस्सा यह है कि मंत्रालय स्तर पर बैठकों और प्रभावशाली लोगों की कथित भूमिका के जरिए शराब कारोबार की रणनीति तय की गई। आरोप यह भी हैं कि शराब आपूर्ति, संबंधित पैकेजिंग/सामग्री और दुकानों में मानव संसाधन (मैनपावर) की व्यवस्था तक एक ही कारोबारी नेटवर्क या उससे जुड़े समूहों के प्रभाव में रही। यदि ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं बल्कि नीतिगत कब्जे का मामला माना जाएगा।

पूर्व गृह मंत्री ने यह भी संकेत दिया कि आबकारी विभाग, मंत्रालय और कारोबारी हितों के बीच संभावित गठजोड़ की गहराई से जांच होनी चाहिए। उनके मुताबिक, यदि शराब सिंडिकेट, ठेके, स्टाफ सप्लाई और वितरण व्यवस्था एक ही प्रभाव-क्षेत्र में संचालित हो रही है, तो यह गंभीर प्रशासनिक और नैतिक प्रश्न खड़े करता है। विपक्षी हलकों में इसे शराब से लेकर स्टाफ तक एक ही नेटवर्क का मॉडल बताया जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले का मुद्दा केवल विपक्ष बनाम सरकार का संघर्ष नहीं, बल्कि जनविश्वास का प्रश्न बन चुका है। खासकर इसलिए क्योंकि पूर्ववर्ती कांग्रेस शासनकाल में भी कथित शराब घोटाले की जांच में Enforcement Directorate, Economic Offences Wing और अन्य एजेंसियों की सक्रियता देखने को मिली थी। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 2025 में इस पुराने मामले में 22 आबकारी अधिकारियों के निलंबन जैसी बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई भी सामने आई थी।

यही वजह है कि ननकीराम कंवर का पत्र अब राजनीतिक हलकों में केवल एक बयान नहीं, बल्कि सिस्टम के भीतर सिस्टम के आरोप के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा के भीतर भी कंवर को एक ऐसे नेता के रूप में देखा जाता है जो कई बार अपनी ही पार्टी या सत्ता के भीतर चल रही व्यवस्थाओं पर बेबाक टिप्पणी करते रहे हैं। ऐसे में उनके द्वारा वतर्मान शराब व्यवस्था पर सवाल उठाना, राजनीतिक रूप से और भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कंवर लंबे समय से सार्वजनिक मंचों पर शराबबंदी या शराब नियंत्रण की आवश्यकता पर मुखर रहे हैं। उन्होंने कई बार शराब को सामाजिक और आर्थिक पतन का कारण बताते हुए राज्य में इस विषय पर कठोर नीति की वकालत की है। उनके हालिया रुख को इसी वैचारिक पृष्ठभूमि में भी देखा जा रहा है—जहां वे केवल भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगा रहे, बल्कि शराब नीति की नैतिकता पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं।

इस पूरे विवाद में एक और बड़ा प्रश्न यह उभरता है कि यदि मुख्यमंत्री और शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व इन गतिविधियों से अनभिज्ञ हैं, तो फिर शासन-प्रशासन की निगरानी प्रणाली पर सवाल उठते हैं; और यदि जानकारी के बावजूद कार्रवाई नहीं होती, तो जवाबदेही और गंभीर हो जाती है। ननकीराम कंवर ने संकेत दिया है कि यदि समय रहते पारदर्शी जांच नहीं हुई, तो आने वाले चुनावों में जनता इस पूरे प्रकरण का पूरा हिसाब मांग सकती है।

फिलहाल, इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आरोप गंभीर हैं, नाम बड़े हैं, और मुद्दा सीधे शासन, राजस्व, प्रशासनिक ईमानदारी और राजनीतिक विश्वसनीयता से जुड़ा है। ऐसे में निष्पक्ष जांच, आधिकारिक दस्तावेजों की सार्वजनिक समीक्षा और तथ्यों पर आधारित कार्रवाई ही इस विवाद की सच्चाई सामने ला सकती है। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक छत्तीसगढ़ की राजनीति में शराब सिंडिकेट बनाम राजनीतिक आरोप की यह बहस और तेज होती दिख रही है।

जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग चुनाव : कल होगा मतदान, 17 पदों के लिए 64 प्रत्याशी मैदान में

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिला अधिवक्ता संघ चुनाव प्रचार अंतिम चरण में है सभी प्रत्याशी मतदाताओं के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। मतदाताओं को रिझाने के लिए कोई कम नहीं छोड़ा जा रहा है। अन्य वर्षों में सम्पन्न जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव का माहौल इस बार कुछ अलग हट कर है। मतदाता सभी उम्मीदवारों को परख रहे हैं। अब यह देखना काफी रोचक होगा कि 4 अप्रैल को मतदान के बावजूद किसी के भी जीतने की भविष्यवाणी करना जल्दबाजी होगी।

नामांकन वापसी की अंतिम तिथि तक किसी भी प्रत्याशी ने अपना नाम वापस नहीं लिया, जिसके चलते अब सभी 17 पदों के लिए 64 प्रत्याशी चुनाव मैदान में डटे हुए हैं। इस बार का चुनाव बेहद रोचक और प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद है। अध्यक्ष पद के लिए नीता जैन सहित आठ उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतर चुके हैं वही सचिव पद के लिए रवि शंकर सिंह सहित तीन उम्मीदवार चुनाव मैदान में डटे हुए हैं।

अध्यक्ष पद के लिए सबसे ज्यादा 8 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर 7 प्रत्याशी किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं महिला आरक्षित कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए 5 महिला उम्मीदवार चुनावी दौड़ में शामिल हैं। सचिव पद के लिए 3, सह सचिव के लिए 4 और महिला आरक्षित सह सचिव पद पर 3 प्रत्याशी मैदान में हैं। अध्यक्ष पद दौड़ में मधुप शर्मा, रमेश कुमार शर्मा, श्रीमती संगीता सिंह, उमा भारती साहू, गिरीशचंद्र शर्मा, गुलाब सिंह पटेल, कु. नीता जैन व देवेन्द्र कुमार गुप्ता हैं। वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दिनेश सिंह राजपुत, ब्रजेश कुमार शुक्ला, चन्द्रकांत चंदेल, नीरज सिंह राठौर, पंडित अजय मिश्रा, प्रशान्त कुमार जोशी व प्रमोद फिलीप हैं। कनिष्ठ उपाध्यक्ष 1 पद (महिला हेतु आरक्षित) कु. रेखा राय, पूजा मोगरी, जया कुमारी, कु. गुंजा सोनी, कु. ललिता जोशी हैं और सचिव पद के लिए हेमन्त कुमार मिश्रा, विजय कुमार चौधरी और रवि शंकर सिंह मैदान में हैं। सह सचिव पद के लिए राकेश यादव, सुमीत रंजन दत्ता, राकेश यदु और कृष्णराज चंदेल हैं।

सह सचिव 1 पद (महिला हेतु आरक्षित) पूनम ताम्रकार, कुमारी संध्या, शशी यादव हैं। कोषाध्यक्ष 1 पद के लिए साकेत आर. मिश्रा, अमित कुमार अग्ने, प्रशांत अग्रवाल, अनिल जायसवाल हैं। ग्रंथालय सचिव 1 पद के लिए ज्ञान प्रकाश तिवारी, अजय कुमार शर्मा, ढाल सिंह देवांगन शामिल हैं। सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव 1 पद के लिए गुरमीत सिंह भोगल, रविशंकर मानिकपुरी हैं। सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव 1 पद के लिए गुरमीत सिंह भोगल व रविशंकर मानिकपुरी हैं।

सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव 1 पद (महिला हेतु आरक्षित) जिसमें मोनिका सिंह, कुमारी किरण गुप्ता व कु. दशोदा शामिल हैं। कार्यकारिणी सदस्य कुल 5 पद के लिए राजकिशोर गुप्ता, अपर्णा मुखर्जी, शिवकुमार उके, जीवन लाल कोटले, राजेश कुमार (नायक), निखिल सिंह महलवार, कु. शमीम बानो रिजवी, रंजीत कुमार मिश्रा, गौतम राम साहू, बबीता गिरि, अमर जी जैन, मुकेश कुमार पाण्डेय, रविश कुमार राजपूत, यीतेन्द्र सिंह राजपूत, आदित्य कुमार चंद्रपक्षी, संजय कुमार विश्वकर्मा, आनन्द कुमार तिवारी कार्यकारिणी सदस्य 2 पद महिला के लिए आरक्षित अनामिका गुहा राय, बाली ठाकरे, पुष्पा मैरिसा, गायत्री उपाध्याय शामिल हैं।

जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग का मतदान 4 अप्रैल को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतदान अधिवक्ता कक्ष क्रमांक-4 के पीछे स्थित खाली मैदान में संपन्न कराया जाएगा।

जीएसटी संग्रह में ऐतिहासिक वृद्धि, व्यापारियों का योगदान सराहनीय - अजय भसीन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

मार्च माह में देश का जीएसटी संग्रह 2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुँच गया है। यह आँकड़ा मार्च 2025 के 1.83 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 8.8% अधिक है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कुल जीएसटी संग्रह 22.27 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 20.55 लाख करोड़ रुपये से 8.3% अधिक है। यह उपलब्धि देश की आर्थिक मजबूती और व्यापारियों के निरंतर योगदान का प्रमाण है।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जीएसटी संग्रह में लगातार वृद्धि यह दर्शाती है कि व्यापारी समाज देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि 20 लाख करोड़ से बढ़कर 22 लाख करोड़ तक पहुँचना केवल आँकड़ा नहीं, बल्कि उपभोक्ता के विश्वास और व्यापारी के परिश्रम का जीवंत प्रमाण है। उपभोक्ता को लाभ मिल रहा है, व्यापारी को गर्व मिल रहा है और देश की अर्थव्यवस्था नई ऊँचाइयों पर पहुँच रही है।

श्री भसीन ने कहा कि हर व्यापारी जब ईमानदारी से कर अदा करता है, तो वह केवल सरकार को सहयोग नहीं देता, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सीधा योगदान करता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के व्यापारियों को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि यहाँ के व्यापारी देश की प्रगति में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अपील की कि आने वाले वर्षों में व्यापारी समाज इसी तरह योगदान देकर भारत को विश्व की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करे। हमें गर्व है कि हम सब मिलकर देश को आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बना रहे हैं।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स : सीएम साय होंगे समापन समारोह के मुख्य अतिथि

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के समापन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 3 अप्रैल को शाम 5 बजे इसका आयोजन किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर मेरीकॉम और फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया भी विशेष अतिथि के रूप में इसमें शामिल होंगे।

राज्य के तीन शहरों रायपुर, अंबिकापुर और जगदलपुर में विगत 25 मार्च से खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इसमें देश के 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 2000 जनजातीय खिलाड़ियों एवं अधिकारियों ने हिस्सेदारी की।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के समापन समारोह की अध्यक्षता करेंगे। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा इसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। राज्य शासन के सभी मंत्रीगण, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर जिले के सभी विधायकगण, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष और छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष भी विशिष्ट अतिथि के रूप में समापन समारोह में शामिल होंगे।

नेहरू नगर योगा उद्यान में अवैध कब्जे का मामला, नगर निगम अधिकारियों ने किया स्थल का निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नेहरू नगर स्थित योगा उद्यान में असामाजिक तत्वों द्वारा मूर्ति स्थापना कर अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। नगर पालिक निगम भिलाई को सूचना मिलते ही जोन-1 आयुक्त, राजस्व विभाग एवं बेदखली की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि हनुमान जयंती पर्व के एक दिन पूर्व रात के समय असामाजिक तत्वों ने रेलिंग को तोड़कर पूर्व निर्मित शेड पर एक चबूतरा निर्माण कर मूर्ति स्थापित कर दिया गया है। इसके अलावा उद्यान परिसर में स्थित जिम, तारामण्डल एवं योगा स्थल की रेलिंग को भी क्षतिग्रस्त कर काट दिया गया है। निगम अधिकारियों द्वारा मौके पर पंचनामा तैयार किया गया है तथा पूरे घटनाक्रम की

जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए निगम प्रशासन द्वारा सुपेला थाना में असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्राथमिक सूचना दर्ज कराते हुए आगे की कार्रवाई करने पत्र भी दिया गया है। नगर निगम भिलाई ने आम नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

राजहरा माइंस अस्पताल में 22वें मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के अंतर्गत राजहरा माइंस अस्पताल, राजहरा में 1 अप्रैल, 2026 को 22वें मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य क्षेत्रीय समुदाय को गुणवत्तापूर्ण एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना तथा विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का समुचित निदान एवं उपचार सुनिश्चित करना था।

इस मेगा मेडिकल कैंप में भिलाई के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के विशेषज्ञ चिकित्सकों की बहु-विषयक टीम द्वारा व्यापक स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक उपचार सेवाएं प्रदान की गईं। चिकित्सा टीम में (सीएमओ एवं एचओडी सर्जिकल ट्रॉमा) डॉ कौशलेंद्र ठाकुर, (मेडिसिन) डॉ. प्रमोद बिनायके, (आर्थोपेडिक)

डॉ. इमैनुएल मैसी, (बाल चिकित्सा) डॉ कौशिक किशोर., (प्रसूति एवं स्त्री रोग) डॉ. निशा ठाकुर, (ईएनटी) डॉ. प्राची मेने, (दर्द प्रबंधन क्लिनिक) डॉ. अमित अग्रवाल, (जनरल सर्जरी) डॉ. राजशेखर राव., (त्वचा रोग विशेषज्ञ) डॉ शशांक अग्रवाल., (नेत्र रोग विशेषज्ञ) डॉ सुलभ साहू., (सहायक प्रबंधक) श्रीमती शशि सिंह, (फिजियोथेरेपी) विकास पांडे., (डीएनबी कक्षा, आर्थोपेडिक्स) डॉ. हर्ष प्रकाश, (डीएनबी कक्षा प्रसूति एवं स्त्री रोग) डॉ. श्रद्धा, (डीएनबी कक्षा, नेत्र विशेषज्ञ) डॉ. श्रेयस कोठाले, (डीएनबी कक्षा, ईएनटी) डॉ प्रांशु पुरोहित., (एमटी) कल्लोल मैती शामिल रहे।

शिविर के दौरान लगभग 542 मरीजों का परीक्षण एवं परामर्श किया गया। इसके अतिरिक्त अस्थि रोग विशेषज्ञ द्वारा 10 इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन एवं 8 प्लास्टर जैसी आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रियाएं भी सफलतापूर्वक संपन्न की गईं।

इस मेगा मेडिकल कैंप के सफल आयोजन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार के मार्गदर्शन के साथ-साथ मुख्य महाप्रबंधक (खदान), आईओसी राजहरा आरबी गहरवार तथा सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-खदान) तुषार रॉय चौधरी एवं उनकी टीम का विशेष सहयोग रहा।

इस आयोजन की सफलता में राजहरा माइंस अस्पताल के चिकित्सकीय एवं सहयोगी स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिनके समर्पित प्रयासों से शिविर का सुचारु संचालन सुनिश्चित हुआ।

पांच दिवसीय पीएमश्री शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले के पीएम श्री विद्यालय के शिक्षकों का प्रशिक्षण आईआईटी भिलाई में आयोजित किया गया। पांच दिन का यह ट्रेनिंग प्रोग्राम टीचर्स को एक्सपीरिएंशियल लर्निंग और एनईपी 2020 के हिसाब से पढ़ाने का तरीका देने के लिए बनाया गया है। यह एक्टिविटी-बेस्ड, एक्सपीरिएंशियल और वोकेशनल लर्निंग पर फोकस करता है, जैसे विजुअल प्रोग्रामिंग, एनिमेशन, डेटा साइंस, मेक्ट्रोनिक्स, नेचुरल फार्मिंग, और आईआईटी भिलाई में बन रहे शिक्षा सारथी सॉफ्टवेयर पर ट्रेनिंग।

टीचर्स को आईआईटी भिलाई की अलग-अलग लैब्स में जाने का मौका मिल रहा है, और उन्हें 21वीं सदी में पढ़ाने की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद करने के लिए अलग-अलग टेक्नोलॉजी और टूल्स से इंट्रोड्यूस कराया जा रहा है। हम कॉम्प्लेक्स प्रॉब्लम सॉल्विंग, क्रिटिकल थिंकिंग, क्रिएटिविटी, कोऑर्डिनेशन, इमोशनल इंटेलिजेंस बनाना और रेजिलिएंस जैसी जरूरी स्किल्स पर फोकस कर रहे हैं। रीइन्फोसर्मेंट लर्निंग और टीचर्स द्वारा पढ़ाने के तरीकों को शेयर करने को बढ़ावा दिया जाएगा।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

इस न्यायालय का रा.प्र.क्र. 202603101000077/ब-121 वर्ष 2025-26 आवेदिका/आवेदक - गोपाल सिंह पिता रामदास सिंह निवासी केम्प 01 भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1580/9 रकबा 0.050 हे./4880 वर्गफीट भूमि आवेदक के नाम पर दर्ज है। का आवासीय प्रयोजनार्थ पुनर्निर्धरण आदेश पारित किया गया है, जों वतर्मान में कृषि भूमि दर्ज है। जिसे ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में परिवर्तित भूमि दर्ज किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति को कृषि भूमि से परिवर्तित भूमि दर्ज किये जाने में आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 06/04/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

गया है। आज दिनांक 13/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

'बीरा जी के अंगना' में हनुमान जन्मोत्सव का हुआ भव्य आयोजन

ट्विनसिटी के हजारों श्रद्धालुओं ने लिया भक्ति और महाभोग का आनंद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कोहका स्थित 'बीरा जी के अंगना' में हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर भक्ति, आस्था और उत्साह से ओतप्रोत भव्य आयोजन संपन्न हुआ। सर्व समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में पूरे वैशाली नगर क्षेत्र से हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

कार्यक्रम में श्री मंगलमूर्ति धाम के पीठाधीश्वर कान्हाजी महाराज एवं देवा जी महाराज के सानिध्य में सामूहिक अभिषेक, हनुमान चालीसा पाठ, भजन-कीर्तन एवं विशाल महाभंडारे का आयोजन किया गया। पूरे परिसर में भक्ति का माहौल बना रहा और श्रद्धालु भजन-संगीत में झूमते नजर आए।

इंद्रजीत सिंह छोटू के नेतृत्व में पहली बार हुआ आयोजन, पिता के सपनों को दी नई दिशा

विशेष बात यह रही कि समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने अपनी पत्नी और बच्ची के साथ पूजा-अचर्ना कर पारिवारिक भाव से आयोजन में सहभागिता की, जो उनकी सादगी और आस्था को दर्शाता है। आयोजन के दौरान लगभग 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई, वहीं 3 से 5 हजार महिलाओं की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भव्य बना दिया।

श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर पूजा-अचर्ना की और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। पूरे कोहका क्षेत्र में दिनभर भक्ति और उत्सव का माहौल बना रहा।

उल्लेखनीय है कि 'बीरा जी के अंगना' का नाम इंद्रजीत सिंह छोटू के दिवंगत पिता बीरा सिंह के नाम पर रखा गया है। उनके सेवा और धर्म के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए यह पहला बड़ा धार्मिक आयोजन यहां आयोजित किया गया, जिसे लोगों ने भरपूर सराहा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन ने यह साबित कर दिया कि बीरा जी के अंगना अब क्षेत्र में धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। आयोजन के बाद इंद्रजीत सिंह छोटू ने शहर के अन्य कार्यक्रमों में भी सहभागिता कर जनसंपर्क बनाए रखा। भक्ति, सेवा और जनसहभागिता के इस संगम ने भिलाई में एक नई मिसाल कायम की है।

हनुमान जयंती : जय हनुमान सेवा वाहिनी के विशाल भंडारे में दिखा श्रद्धा, सेवा और समर्पण का अद्भुत संगम

भिलाई। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर जय हनुमान सेवा वाहिनी द्वारा विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। यह सेवा वाहिनी का 15 वां वर्ष रहा, जिसमें हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धा, सेवा और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिला। जय हनुमान सेवा वाहिनी एक गैर-राजनीतिक संगठन है, जो निरंतर धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाता आ रहा है। संस्था के मुख्य संरक्षक भिलाई शहर के युवा विधायक देवेन्द्र यादव हैं, जिनके मार्गदर्शन में यह सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है।

इस अवसर पर भिलाई के प्रमुख चौक—सेक्टर 1 चौक, बीएसएनएल चौक, 25 मिलेनियम चौक, सीसी चौक, ग्लोब चौक, सेक्टर 8 चौक एवं सेक्टर 9 चौक—को भगवा रंग से भव्य रूप से सजाया गया। मंदिरों की विशेष सजावट भी सेवा वाहिनी द्वारा भव्य रूप से करवाई गई, जो पूरे शहर में आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी रही तथा भक्तिमय वातावरण को और अधिक दिव्य एवं मनमोहक बना गई। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए धूप से बचाव हेतु उचित एवं सुव्यवस्थित पंडाल की व्यवस्था की गई। सेक्टर 9 अस्पताल के मुख्य द्वार से मंदिर तक मैट की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई, जिसकी सभी श्रद्धालुओं ने सराहना करते हुए सेवा वाहिनी के इस प्रयास की प्रशंसा की।

विशाल भंडारे में लगभग 30,000 लोगों के प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। भंडारे में भक्तों के लिए पोहा, जलेबी, सूखा चना, छोले, कढ़ी-चावल, राजमा-चावल, खिचड़ी-चटनी, मूंग का हलवा, खीर, मठा एवं शुद्ध पेयजल की उत्तम एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था समस्त जय हनुमान सेवा वाहिनी के सेवाधारियों द्वारा की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और भगवान हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। सेवा वाहिनी के सभी सदस्यों ने तन-मन से सेवा कर इस आयोजन को सफल बनाया।

समिति के सदस्य—एकांश बंछोर, आदित्य सिंह, सुमित सिंह पवार, राकेश श्रीवास्तव, अफरोज खान, आशीष शुक्ला, अभय प्रताप सिंह, शरद मिश्रा, दीपांशु वर्मा,, अतुल राय, चंदेश अग्रवाल, शुभम झा, अमरेश गिरी, आकाश यादव, शशिकांत साहू, फराज अहमद, आसिफ खान, संगम यादव, लक्षित चंद्राकर, संजीव यादव, प्रिंस शेरगिल, नमन चौधरी, हर्ष यादव, श्रवण मांझी, अंकुश जायसवाल, अतुल श्रीवास्तव, गौरव साहू, करण वैष्णव, नितिन खटवानी, सुष्मिता साहू, उमाशंकर साहू, विनीत बोनी, अनिमेष त्रिपाठीएवं प्रदीप यादव सहित समस्त सदस्यगण कार्यक्रम में उपस्थित रहे एवं आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया। जय हनुमान सेवा वाहिनी ने भविष्य में भी इसी तरह सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया है।

उत्कल दिवस पर सेक्टर-9 चौक में लोगों ने ग्रहण किया महाभोग

अखिल भारतीय उड़िया समाज द्वारा 1 अप्रैल को उत्कल दिवस के अवसर सेक्टर 9 चौक के पास महाभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष जेएम तांडी के नेतृत्व में किया गया। महासचिव तरुण निहाल ने बताया कि जिले के सभी कार्यकर्ता यहां पहुंचे थे। सभी ने महाभोज में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्कल दिवस को हर्ष के साथ मनाया गया। ओडिशा का गठन ओडिया लोगों के वर्षों के संघर्ष और असंख्य बलिदानों का परिणाम था। उत्कल दिवस इन संघर्षों को याद करने के लिए मनाया जाता है। कार्यक्रम में ठाकुर निहाल, मंटू हरपाल, कैलाश तांडी, मनोज दुर्गा, सुमीत सोना, विदुर तांडी, वर्षा चौहान, सुभद्रा, उमेश बाघ, जगनाथ जाल, विशाल सागर, गौरव कुमार, समर, कविता बाघ, रोहन हरपाल, रुपेन्द्र साहू, गोपाल बाघ, कर महानंद, सोपान साहू, रामभजन, सुंदर लाल, अराधना तांडी, रिद्धि महानंद, पूजा सेठिया, अजय नायक, आशीष हरपाल समेत सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

हनुमान जन्मोत्सव: अरुण वोरा ने की सुख-समृद्धि के लिए की प्रार्थना

दुर्ग-भिलाई में हनुमान जयंती के पावन अवसर पर आस्था, भक्ति और उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर दुर्ग के विधायक रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री अरुण वोरा ने शहर के विभिन्न मंदिरों एवं धार्मिक आयोजनों में पहुंचकर भगवान हनुमान के दर्शन किए और दुर्ग शहर व यहां के नागरिकों की सुख, शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने सेक्टर-9 भिलाई स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर (हॉस्पिटल परिसर) से अपने दौरे की शुरुआत की, जहां उन्होंने विधिवत पूजा-अचर्ना कर जनकल्याण की कामना की। इसके पश्चात मिलपारा में पूंछ वाले हनुमान जी के हनुमान जन्मोत्सव, राजेंद्र पार्क दुर्ग स्थित नानी-नानी पार्क में आयोजित कार्यक्रम, आईएमए चौक मोहन नगर, उतई टेम्पो स्टैंड, बस स्टैंड दुर्ग स्थित हनुमान मंदिर सहित अनेक स्थलों पर पहुंचकर भक्तों के साथ शामिल हुए।

वोरा ने श्री संकट मोचन महावीर मंदिर सेवा समिति द्वारा आयोजित हनुमान जन्मोत्सव, पंचशील नगर दुर्ग के श्रीराम आधुनिक जिम में आयोजित कार्यक्रम, ओल्ड बोरसी दुर्ग के शिव मंदिर सेवा समिति द्वारा आयोजित हनुमान जयंती समारोह, पद्मनाभपुर स्थित ओमकारेश्वर मंदिर में सुंदरकांड पाठ तथा ब्राह्मण पारा दुर्ग में श्री पंचमुखी हनुमान जन्मोत्सव में भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई। हर स्थल पर उन्होंने श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनका अभिवादन किया और कहा कि हनुमान जी की कृपा से शहर में सदैव सकारात्मक ऊर्जा, सुरक्षा और समृद्धि बनी रहे। इस दौरान उनके साथ फतेह भाटिया, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार पाली, राजकुमार साहू, पूर्व पार्षद श्रद्धा सोनी, छाया पार्षद मोहित वाल्दे, छाया पार्षद निकिता सिंह, गोपी महोबिया, तिलक राजपूत, राहुल अग्रवाल एवं आंचल गुप्ता सहित अनेक कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धर्म की रक्षा के प्रति सच्चा सेवक बने- मंत्री गजेन्द्र यादव

हनुमान जयंती पर शिक्षा मंत्री ने शहरवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हनुमान जयंती के अवसर पर दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हनुमान मंदिरों में केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने पहुंचकर भगवान हनुमान जी के चरणों में शीश नवाये और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं को हनुमान चालीसा के पाठ के लिए प्रेरित किये।

हनुमान जयंती पर सुबह से ही वे कार्यकर्ताओं के साथ दीपक नगर, अग्रसेन चौक, तमेरपारा, किल्ला मंदिर, बनियापारा, मिलपारा, जैन मंदिर रोड, श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर कसारिडीह, ओल्ड बोरसी सहित विभिन्न स्थानों पर स्थित हनुमान मंदिरों एवं हनुमान जयंती के अवसर पर आयोजित हवन-पूजन कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भगवान हनुमान जी को चोला अर्पित किये तथा महाआरती में शामिल हुए।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने सभी शहरवासियों को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे शहर में जय श्री राम और जय हनुमान के जयकारों के साथ भक्ति का वातावरण बना रहा। साथ ही शहर के विभिन्न मंदिर व समितियों में आयोजित भोग-भंडारे में भी शामिल होकर हांथ बंटाये। इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने कहा कि आज समाज में अपने धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। हम अपने धर्म की रक्षा करेंगे, तभी धर्म हमारी रक्षा करेगा। उन्होंने सभी नागरिकों से भगवान हनुमान जी के आदर्शों पर चलने और धर्म रक्षा के प्रति सच्चा सेवक बनने का आह्वान किया।

दीपक नगर, दुर्ग स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर के नवनिर्माण हेतु भूमिपूजन कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। हनुमान जयंती के अवसर पर उन्होंने उपस्थितजन को सम्बोधित करते हुए कहा की नवनिर्मित होने जा रहा यह भव्य मंदिर हमारी आस्था, श्रद्धा और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनेगा। प्रभु श्री हनुमान जी से प्रदेश एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि और सभी के कल्याण की कामना किये।

इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, जिला महामंत्री विनोद अरोड़ा, विजय अग्रवाल, संतोष गोलछा, टोपेश जी, राजेश शुक्ला, विजय जलतारे, अनूप गटागट, मंडल अध्यक्ष, पार्षदगण सहित क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

श्री शिवशंकर सेवा मंच के तत्वाधान में धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

नगर पालिका परिषद जामुल में श्री शिवशंकर सेवा मंच के माध्यम से और भगवान बजरंगबली की कृपा से धूमधाम से हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया और हनुमान जी के भजन में डीजे के थाप मस्त मगन थिरके भक्त कार्यक्रम की सुरुवात हनुमान जी की पूजा अचर्ना पश्चात हनुमान चालीसा पाठ एवं सुंदर कांड पाठ के पश्चात भोग भंडारा महाप्रसाद वितरण किया गया। साथ ही वार्डों के प्रमुख मंदिरों में पहुंच कर प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम के आयोजक श्री शिवशंकर सेवा मंच के द्वारा सभी धार्मिक अनुष्ठान किये गए। इस बार आयोजन में पूजा अचर्ना चालीसा पाठ के बाद सुंदर कांड पाठ फिर भोग भंडारा का आयोजन किया गया। मुख्य रूप से इस बार आयोजन के साथ साथ सभी वार्डों के प्रमुख मंदिरो मे पहुंचकर हनुमान जी की पूजा अचर्ना कर आरती के साथ ही वार्डवाषियों को प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सयोजक युवराज वैष्णव, मीनू ताम्रकार, रामप्यारी वर्मा, सुनीता चेन्नवार, सरोजनी चंद्राकर, लेखराम साहू, शीतल वर्मा, विनय साहू, अभिषेक शर्मा, धंनजय दूबे, रामावतार साहू, धनेश जंघेल, नरेश यादव, सनत ठाकुर, महेश यादव, शाहिल ठाकुर, दीपक साहू, दीना साहू, शेखर साह, राजा, हिमांचल, विजय बारले और खिल्लू साहू आदि उपस्थित रहे।

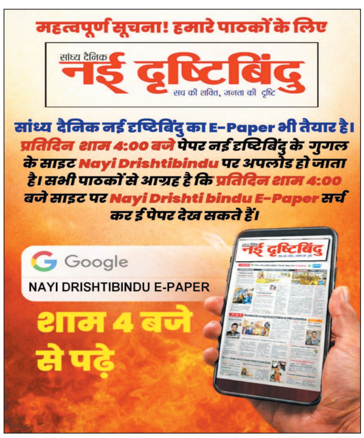

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100